संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -07 मंगलवार ,07 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

ईडी हिरासत में भेजे गए ज्योतिप्रिय मल्लिक

» वकील ने कहा-मंत्री को फंसाया गया है...

» सात दिनों की ईडी हिरासत में भेजे गए बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक

» वकील ने कहा- मंत्री राजनीतिक साजिश का शिकार हुए हैं

» मंत्री को फंसाया गया है वकील

कोलकाता,06 नवम्बर 2023(ए)। राशन घोटाला में गिरफ्तार वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को सोमवार को कोलकाता के बैंकशाल कोर्ट में ईडी की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने उन्हें सात दिनों की ईडी हिरासत में भेजने का निर्देश दिया। ईडी के साल्टलेक कार्यालय से बाहर लाए जाने के दौरान ज्योतिप्रिय ने स्पष्ट रूप से सहमे हुए कहा कि मैं बिल्कुल ठीक नहीं हूं। इसके साथ यह भी कहा कि मैं निर्दोष हूं।

राजनीतिक साजिश का शिकार हुए हैं मंत्री

कोर्ट में सुनवाई के दौरान ज्योतिप्रिय के वकील ने दावा किया कि अदालत के आदेश के बावजूद कमांड अस्पताल में मंत्री के लिए कोई मेडिकल बोर्ड गठित नहीं किया गया था। मंत्री राजनीतिक साजिश का शिकार हुए हैं। उन्हें फंसाया गया है।

मंत्री के लिए जितना संभव हो सका, उचित तरीके से काम किया गया

वहीं, सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने दावा किया कि मंत्री को तीन दिनों तक कोलकाता के पास एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय अस्पताल में एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया था। इसके बाद मंत्री को मेडिकल जांच के लिए कमांड हास्पिटल ले जाया गया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोर्ट में यह भी दावा किया कि मंत्री के लिए जितना संभव हो सका, उचित तरीके से काम किया गया।

ज्योतिप्रिय के पूर्व पीए ने कहा- मैं बाकिबुर को जानता हूं

ज्योतिप्रिय के पूर्व व्यक्तिगत सहयोगी (पीए) अभिजीत दास ने कहा कि मैं राशन घोटाले में गिरफ्तार कारोबारी बाकिबुर रहमान को जानता हूं। उसका आफिस आना-जाना नियमित था। अलग-अलग कंपनियों से पैसे का लेन-देन चल रहा था, मुझे पता था। मंत्री के निर्देश पर ही मैंने अपनी मां और पत्नी को निदेशक नियुक्त किया था।

कल्याण ने मल्लिक की खुले तौर पर की आलोचना

दूसरी ओर, लोकसभा सदस्य कल्याण बंद्योपाध्याय ने इस मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को घसीटने के लिए मल्लिक की खुले तौर पर आलोचना की, वहीं पार्टी की एक अन्य सांसद डा काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि पार्टी व्यक्तिगत स्तर पर किसी की ओर से किसी भी अनियमितता की जिम्मेदारी नहीं लेगी। बता दें कि कुछ दिन पहले ज्योतिप्रिय ने कहा था कि यह भाजपा की साजिश है तथा ममता व अभिषेक को सब कुछ पता है।

वन विभाग कौन संभालेगा आठ को हो सकता है फैसला

ज्योतिप्रिय मल्लिक को गिरफ्तार हुए 11 दिन बीत चुके हैं। उनका विभाग कौन संभालेगा यह फिलहाल तय नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि आठ नवंबर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की बैठक होनी है, जिसमें इस पर निर्णय लिए जाने की संभावना है। मल्लिक वन विभाग के कैबिनेट मंत्री हैं। ऐसे में राज्य मंत्री की जिम्मेदारी बढ़ाई जा सकती है।

हीरालाल सामरिया बने केंद्रीय सूचना आयोग के प्रमुख

राष्ट्रपति मुर्मु ने पद की दिलाई शपथ

नई दिल्ली ,06 नवंबर2023 (ए)। सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाई। वाई के सिन्हा का कार्यकाल 3 अक्टूबर को समाप्त होने के बाद से पारदर्शिता पैनल का शीर्ष पद खाली पड़ा था। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में सामरिया को पद की शपथ दिलाई।सामरिया की मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्ति के बाद आठ सूचना आयुक्तों के पद खाली है।वर्तमान में आयोग में दो सूचना आयुक्त हैं।

आपको बता दें कि आयोग का नेतृत्व मुख्य सूचना आयुक्त करता है और इसमें अधिकतम 10 सूचना आयुक्त हो सकते हैं।

सीजीपी के थाना से लेकर ट्रेफिक पुलिस जवान तक का था महादेव एप्प से रिश्ता

नीतिश दीवान गिरफ्तार,दुबई जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था

रायपुर,06 नवंबर2023 (ए)। सीजीपी के थाना से लेकर ट्रेफिक पुलिस जवान तक का था महादेव एप्प से रिश्ता हैं। छग पुलिस के हवलदार विजय पांडे और आरक्षक सहदेव यादव के साथ दुर्ग ट्राफिक में पदस्थ एएसआई विनोद सिंह यादव और दुर्ग पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक वीरनारायण सिंह को भी ईडी ने अपनी हिरासत में लिया है। ईडी रिमांड के दौरान भीम से हुई पूछताछ में कई बड़े खुलासे ईडी को हैं।

महादेव आनलाइन सट्टा एप मामले में दिल्ली एयरपोर्ट से नीतिश दीवान गिरफ्तार किया गया। वह दुबई जाने के लिए एयरपोर्ट पर पहुंचा था। आरोपी नीतीश के खिलाफ एलओसी लेटर जारी हो चुका था।

दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पकड़कर प्रवर्तन निदेशालय को सूचना दी। जहां से उसे सोमवार देर शाम रायपुर ईडी दफ्तर लाया गया है।नीरज के बारे में बताया जा रहा है कि वह एकाउंटिंग में माहिर है और सौरभ चंद्राकर के महादेव ऐप से आई इनकम का हिसाब किताब रखता था।

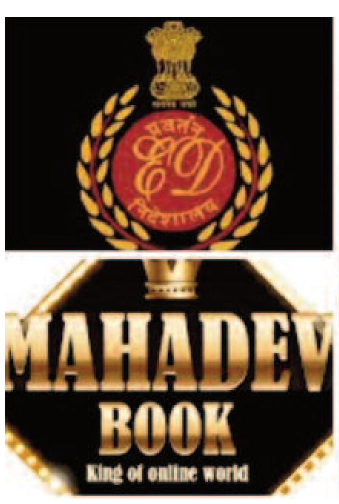

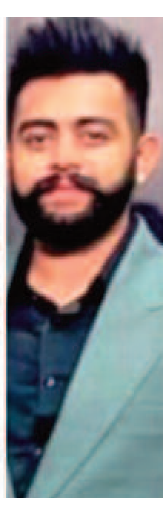

उससे पूछताछ में कई बड़े खुलासे होने की बात कही जा रही है।

ईडी टीम फ़िलहाल दुर्ग पुलिस को ही टारगेट में ले रखी है। वैसे सूत्रों की माने तो पुलिस विभाग के कई बड़े अधिकारी भी श्वष्ठ के शिकंजे में आएंगे। संभावना जताई जा रही है कि एक-दो दिनों में छत्तीसगढ़ पुलिस के राजपत्रित अधिकारी जांच की आंच आएगी।

क्या महुआ मोइत्रा होगी अयोग्य साबित ?

» आचार समिति निर्णय लेगी

» 'यह' केस बनेगा निर्णायक मोड़ !

» संसदीय अकाउंट दुबई से 47 बार लॉग-इन किया

नई दिल्ली,06 नवंबर2023 (ए)। संसद में सवाल पूछने के लिए कथित तौर पर पैसे लेने के मामले में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा से लोकसभा की आचार समिति के सामने पूछताछ की गई। बताया गया है कि महुआ मोइत्रा का संसदीय अकाउंट दुबई से 47 बार लॉग-इन किया गया है। इस मामले में बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने मोइत्रा पर आरोप लगाया था। हालांकि दावा किया जा रहा है कि महुआ मोइत्रा को अयोग्य ठहराया जा सकता है। इसके लिए एक पुरानी याचिका का सहारा लिया जा रहा है। महुआ मोइत्रा ने एथिक्स कमेटी के सामने अपने जवाब में कहा कि उनकी निजी जिंदगी को मुद्दा बनाया जा रहा है।

मोइत्रा ने कहा, मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। सत्ता पक्ष के सांसद ने महुआ मोइत्रा से कहा कि यहां आपकी निजी जिंदगी की चर्चा नहीं होती है। यहां चर्चा यह है कि आपने अपने संसदीय अधिकारों का दुरुपयोग किया है। साथ ही महुआ मोइत्रा ने बदले में नकदी लेने के आरोपों से इनकार किया।

मोइत्रा को भी निलंबित किया जा सकता है सूत्रों ने कहा कि महुआ मोइत्रा के खिलाफ कार्रवाई के लिए 2005 के फैसले का हवाला दिया जा सकता है। ऐसा ही मामला पहले भी हुआ था। सवाल पूछने के लिए पैसे लेने के आरोप में 11 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। हालाँकि, इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। 2007 में सुप्रीम कोर्ट ने इन सांसदों को अयोग्य ठहराने के फैसले को बरकरार रखा। कहा जा रहा है कि महुआ मोइत्रा को भी इसी तरह सस्पेंड किया जा सकता है।

इस बीच अगर महुआ मोइत्रा पर आरोप साबित हो जाते हैं तो इसे संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन माना जाएगा। जो संभावित तौर पर महुआ मोइत्रा के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी कर सकता है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कुछ दिन पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत की थी।

निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया था कि बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी ने लोकसभा में सवाल पूछने के लिए पैसे लिए थे। इसके बाद दर्शन हीरानंदानी ने भी बड़ा खुलासा किया। दर्शन हीरानंदानी ने खुद स्वीकार किया कि उन्होंने उद्योगपति गौतम अडानी के बारे में सरकार से सवाल पूछने के लिए महुआ मोइत्रा का इस्तेमाल किया।

पीएफआई को सुप्रीम कोर्ट से झटका

» प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली,06 नवंबर2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) ट्रिब्यूनल के एक आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उस पर केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध की पुष्टि की गई थी।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की और पीएफआई को पहले उच्च न्यायालय जाने का निर्देश दिया। पीठ ने राय दी कि संवैधानिक रिट क्षेत्राधिकार के फोरम से पहले संपर्क करना चाहिएज और पीएफआई को संबंधित उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता दी।केंद्र ने 2022 में वैश्विक आतंकवादी समूहों और आतंकी फंडिंग के साथ कथित संबंधों के लिए पीएफआई पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है क्योंकि यह विध्वंसक गतिविधियों में शामिल है, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था में गड़बड़ी होती है और देश की संवैधानिक व्यवस्था कमजोर होती है तथा आतंक को बढ़ावा मिलता है।

दिल्ली-एनसीआर में फिर लगे भूकंप के झटके

नई दिल्ली,06 नवंबर2023 (ए)। राजधानी दिल्ली सहित आसपास के शहरों में एक बार फिर से भूकंप के झटके लगे हैं। इस दौरान लोग घरों से बाहर निकल आए। अभी तक किसी भी तरह के अप्रिय समाचार की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके 4 बजकर 16 मिनट पर महसूस किए गए।इस महीने ऐसा दूसरी बार है दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र नेपाल है, जिसके झटके दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.6 रही। जर्मन रिसर्च सेंटर के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.2 पर मापी गई। वहीं नेशनरल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार तीव्रता 6.4 रही थी। भूकंप का केंद्र का नेपाल में था।

मध्य प्रदेश की राजनीति में आया भूकंप

» केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर के बेटे का वीडियो हो रहा वायरल

भोपाल,06नवंबर2023 (ए)। मध्य प्रदेश की राजनीति में एक वीडियो के आने के बाद बवाल मचा है। दरअसल, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर (रामू तोमर) का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है।इस कथित वीडियो को लेकर कांग्रेस भी भाजपा पर हमलावर हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने भी इस वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड किया है।

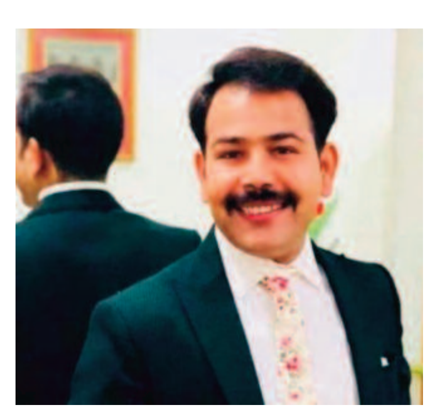

करोड़ो रुपये की हो रही डील

कांग्रेस नेता बबेले ने वीडियो साझा कर तंज कसा है। उन्होंने ईडी, सीबीआई को टैग करते हुए लिखा कि अब ये वीडियो वायरल हो रहा है, जरा जांच कीजिए। इस कथित वीडियो में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र तोमर जो भाजपा की टिकट से चुनाव भी लड़ने वाले हैं, वो एक माइनिंग कारोबारी से करोड़ों रुपये लेने की बातचीत कर रहे हैं।

बबेले ने कसा तंज

पीयूष बबेले ने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव आचार संहिता के बीच ये काले धन की बात हो रही है या फिर गोरे धन की, इसकी जांच ईडी और सीबीआई को करनी चाहिए।

बेटे देवेंद्र के नाम पर पत्र भी वायरल

कथित वीडियो के बाद देवेंद्र तोमर के नाम से मुरैना के पुलिस अधीक्षक को भेजा गया एक आवेदन भी इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। पत्र में कहा गया है कि ये वीडियो केवल दुष्प्रचारित के लिए है। इसमें कहा गया कि वीडियो में एडिटिंग करके मेरे विरुद्ध साजिश रची जा रही है।

भीषण आग में 19 दुकानें जलकर खाक

गुवाहाटी,06 नवंबर2023 (ए)। गुवाहाटी में भीषण आग में कम से कम 19 दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना बीती देर रात बारबरी तिनियाली बाजार में हुई।

पुलिस ने कहा कि भीषण आग से दुकानें जलकर राख हो गई, जिनमें से अधिकांश दुकानें फल और सब्जियों की थी। हालांकि, बारबरी इलाके के स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि अज्ञात बदमाशों ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया होगा, जिसके चलते भीषण आग लग गई।

आग बुझाने के लिए तीन दमकल गाड़ियों को लगाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आग लगने के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

राजधानी और वंदे भारत एक्सप्रेस को बम से उड़ाने की धमकी

रेलवे प्रशासन में मचा हड़कंप

पटना ,06 नवंबर2023 (ए)। बिहार के बक्सर के पास नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना से लोग अभी उबरे ही नहीं हैं कि शताब्दी और वन्दे भारत उड़ाने की धमकी भरे पत्र ने रेलवे को परेशान कर दिया है। पुलिस ने हालांकि पत्र भेजने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल , पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल के स्टेशन प्रबंधक को साधारण डाक से एक पत्र मिला, जिसने धमकी दी गई कि थी डेढ़ करोड़ रुपए दो नहीं तो नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस की तरह राजधानी, शताब्दी और वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन उड़ा देंगे।

पत्र में यह भी कहा गया था कि पत्र की अनदेखी करने पर पहले ही नार्थ-ईस्ट का हाल देख चुके हैं। स्टेशन प्रबंधक ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। इस दौरान स्टेशनों की सुरक्षा बढ़ा दी गई और पुलिस जांच में जुट गई है। पत्र में लिखे मोबाइल नंबर के आधार पर जब पुलिस तहकीकात में जुटी तब यह नंबर पटना के रामकृष्णानगर के रहने वाले कमलदेव सिंह का निकला। पुलिस तत्काल उनके आवास पर पहुंच गई। कमलदेव से पूछताछ में पता चला कि उसने चिट्ठी नहीं लिखी थी। इसके बाद राइटिंग की जांच से पता चला कि सही में उसने नहीं लिखा था।

पूछताछ के दौरान कमलदेव ने बताया कि यह काम बहादुरपुर निवासी कामता प्रसाद का है। वह पटना सिटी के एक स्कूल में पढ़ाता है। उन्हें जेल भेजवाने के लिए कामता प्रसाद ने यह साजिश रची है। इसके बाद पुलिस कामता प्रसाद के घर पहुंची। जांच के दौरान मिले सबूत के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार कामता पेशे से शिक्षक बताए जाते हैं।

गिरफ्तार हुए इस्लामिक स्टेट के दो आतंकवादी

» राज्य की नामी यूनिवर्सिटी से की है केमिकल की पढ़ाई

लखनऊ,06 नवंबर2023 (ए)। एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) ने अलीगढ़ से आईएस के दो आतंकियों अब्दुल्ला अर्सलान व माज बिन तारिक को गिरफ्तार किया है। दोनों कट्टरपंथी विचारधारा से प्रेरित होकर इंटरनेट मीडिया के माध्यम से आईएस के आतंकी नेटवर्क से जुड़े थे और आईएस में शामिल होने की शपथ भी ली थी। एटीएस अधिकारियों के अनुसार, दोनों आरोपी विस्फोटक व बम बनाने के अन्य उपकरण जुटा रहे थे। प्रदेश में बड़ी आतंकी घटना का षड्यंत्र रच रहे थे। घटना कहां किए जाने की योजना थी, इसे लेकर छानबीन की जा रही है। एटीएस इनसे जुड़े कुछ अन्य आतंकियों की तलाश भी कर रही है।

एटीएस ने किया बड़ा खुलासा

एडीजी एटीएस मोहित अग्रवाल ने बताया कि अब्दुल्ला व तारिक खुद से ही कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर इंटरनेट मीडिया के माध्यम से आईएस के आतंकियों से जुड़े थे।

मणिपुर में मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध फिर 8 नवंबर तक बढ़ा

इंफाल,06 नवंबर2023 (ए)। मणिपुर सरकार ने असामाजिक तत्वों द्वारा हानिकारक संदेशों, फोटो और वीडियो के प्रसार को रोकने के लिए मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध को और तीन दिनों के लिए, यानी 8 नवंबर तक बढ़ा दिया है।

गृह आयुक्त, टी. रणजीत सिंह ने एक अधिसूचना में कहा कि इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाओं को भड़काने वाली तस्वीरें, नफरत भरे भाषण और नफरत भरे वीडियो संदेश प्रसारित करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं, जिससे मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है।

भड़काऊ सामग्री और झूठी अफवाहों के परिणामस्वरूप जीवन की हानि और/या सार्वजनिक/निजी संपत्ति को नुकसान होने का आसन्न खतरा और सार्वजनिक शांति और सांप्रदायिक सद्भाव में व्यापक गड़बड़ी के तत्व भी शामिल हैं, जो प्रसारित होते हैं अधिसूचना में कहा गया है, विशेष रूप से राज्य के कुछ हिस्सों में हिंसा की हालिया घटनाओं के संदर्भ में सोशल मीडिया/मोबाइल सेवाओं, एसएमएस सेवाओं और डोंगल सेवाओं पर संदेश सेवाओं के माध्यम से जनता को प्रसारित किया गया है।मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने हाल ही में संकेत दिया था कि सरकार अगले कुछ दिनों के भीतर प्रतिबंध वापस लेने पर विचार करेगी, जिसके बाद गृह विभाग ने दो सप्ताह से भी कम समय में मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध को तीन बार बढ़ाया।

संपादकीय

बिहार में ये उलटी चाल

उपलब्ध विवरण के मुताबिक जिन 22 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं के नाम स्कूलों से काटे गए हैं, उनमें कक्षा एक से लेकर आठ तक के बच्चों की संख्या 18 लाख 31 हजार है, जबकि बाकी बच्चे कक्षा नौ से 12वीं कक्षा तक के हैं।

बिहार सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक विवादास्पद कदम उठाया है। इसके तहत 22 लाख स्कूली छात्र-छात्राओं के नाम काट दिए गए हैं। सरकार का दावा है कि वह ऐसा शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कर रही है। उसका दावा है कि उन छात्रों के नाम स्कूल के रजिस्टर से हटाए जा रहे हैं, जो 30 दिन तक लगातार गैर-हाजिर रहे। सरकार स्कूलों से गैर-हाजिर रहने वाले शिक्षकों पर भी कार्रवाई कर रही है, लेकिन वह दीगर मुद्दा है। छात्रों के मामले से उसका सिर्फ इतना संबंध है कि चूंकि बड़ी संख्या में शिक्षक गायब रहते हैं और स्कूलों में पढ़ाई नहीं होती, तो बहुत से छात्रों की स्कूल जाने में दिलचस्पी घट जाती है। ज्यादातर ये छात्र वैसे गरीब घरों से आते हैं, जहां उनका श्रम उनके परिवार की आय लिए जरूरी बना रहता है। अब तक सामने आए ब्योरे के मुताबिक बीते चार महीने में जिन 22 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं के नाम काटे गए हैं, उनमें कक्षा एक से लेकर आठ तक के बच्चों की संख्या 18 लाख 31 हजार है, जबकि बाकी बच्चे कक्षा नौ से 12वीं कक्षा तक के हैं।

नाम काटे जाने के कारण ढाई लाख से ज्यादा बच्चे बिहार विद्यालय परीक्षा बोर्ड की इंटर और मैट्रिक की परीक्षाओं में शामिल होने से वंचित रह जाएंगे। शिक्षा विभाग ने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को ऐसे 2,66,564 विद्यार्थियों की सूची भेजी है। जाहिर है, सामूहिक रूप से बड़ी संख्या में सरकार छात्रों को उस कथित जुर्म के लिए दंडित कर रही है, जिसके लिए खुद वो जिम्मेदार है। फिर शिक्षा के अधिकार नियम के तहत छह से 14 वर्ष के बच्चों के अनिवार्य और निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। हकीकत यह है कि शिक्षा की गुणवत्ता में तब तक सुधार नहीं होगा, योग्य शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी और स्कूलों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, छात्रों को स्कूल में हाजिर रहने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता। मुद्दे की बात यह है कि राज्य की खस्ताहाल शिक्षा व्यवस्था के लिए किसी भी रूप में कथित घोस्ट स्टूडेंट्स जिम्मेदार नहीं हैं।

बड़ी सफलता नियमित प्रयास की परिणति

» श्रम का कोई विकल्प नहीं

» संयम,अनुशासन सफलता के स्रोत

संजीव कुमार ,
चौबे कॉलोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं। सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता,प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए द्य यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएद्यइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैद्य और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैद्य भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समय से पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता है। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

इजरायल हमास युद्ध का मतलब

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

इसराइल और हमास का युद्ध लगभग पिछले 30 दिनों से चल रहा है। इस युद्ध की शुरुआत 7 अक्टूबर से हुई थी जब फिलिस्तीन का समर्थन करने वाले हमास आतंकवादी संगठन के लोगों ने इसराइल सीमा पार करके लगभग 14 सौ बेकसूर महिलाओं, बच्चों समेत लोगों को गोलियों से भून दिया था। दुनिया की सबसे कुशल जासूसी एजेंसी , मोसाद को भी इसका पता नहीं चला। अचानक यूं हमला होने पर इसराइल के सैनिकों ने गाजापट्टी पर हमला कर दिया और अंधाधुंध रॉकेट तथा बमों का इस्तेमाल करके भारी तबाही मच्छा दी। गाजा पट्टी में लगभग 13 लाख लोग रहते हैं। इसराइल के द्वारा हमला होने की स्थिति में वहां जान माल का बहुत नुकसान हुआ है। लेबनान से एक और आतंकवादी संगठन हिज्बुल्लाह ने भी इसराइल के विभिन्न ठिकानों पर हमला करना शुरू कर दिया है। हमास ने गाजापट्टी में सुरंगे बना रखी हैं जहां पर उन्होंने गोला बारूद रख रखा है और वहां पर उसके कई आतंकवादी भी छिपे हुए हैं जो कि वहां से इसराइली सैनिकों पर हमला करते हैं। कहना ना होगा कि हमास तथा हिज्बुल्लाह आतंकी संगठनों की ईरान समेत कई अरब देश आर्थिक तथा सैनिक सहायता करते हैं तभी तो यह दोनों संगठन इतने ताकतवर हो गए हैं कि इसराइल जैसे ताकतवर देश का मुकाबला इतने दिनों से कर रहे हैं। यहां पर यह बात बता देनी चाहिए कि हमास ने कुछ विदेशियों समेत बहुत सारे इजराइयों को बंधक बना रखा है। इसराइल के प्रधानमंत्री, नितिन याहू ने यह ऐलान किया है कि जब तक हमास को समाप्त नहीं कर देंगे तब तक यह युद्ध जारी रहेगा। कहना ना होगा कि हमास फिलिस्तीन का समर्थन करता है। हमास इजरायल युद्ध को लेकर सारी दुनिया इस समय दो खेमों में बटी हुई है। एक तरफ अमेरिका तथा नाटो देश इजराइल का हर प्रकार से समर्थन कर रहे हैं तथा अमेरिका ने वहां पर अपना युद्धपोत भी भेज रखा है और दूसरी तरफ अधिकांश अरब देश हैं जिनकी पीठ रूस, चीन, उत्तरी कोरिया आदि देश थपथपा रहे हैं। इस युद्ध में अब तक 10000 से भी ज्यादा दोनों तरफ के मासूम लोग मारे जा चुके हैं।! हमास के द्वारा इजराइल में घुसकर मासूम तथा बेकसूर लोगों को मारना मानव अधिकारों का हनन ही नहीं बल्कि निंदनीय पार्शि्वक कार्य है। लेकिन इसके बावजूद भी इसराइल के द्वारा अंधाधुंध गाजापट्टी के लोगों को मारना, उनकी बिजली तथा पीने का पानी बंद करना, मरीज के लिए दवाइयां का ना आने देना तथा आवश्यक मानवी सहायता ना आने देना एक बहुत बड़ा मानव अधिकारों का उल्लंघन है। इस बीच में संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में युद्ध विराम कराने तथा गाजा में आवश्यक मानवीय सहायता पहुंचाने केबारे में कभी पश्चिमी देशों तथा कभी रूस और चीन के द्वारा वीटो कर देने से कोई फैसला नहीं हो सका और युद्ध जारी है, बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं और मानव अधिकार का उलझन हो रहा है। एक तरफ दुनिया रूस यूक्रेन युद्ध से चिंतित थी, दूसरी तरफ इसराइल और हमास के बीच में जो युद्ध शुरू हो गया है उस से तीसरे विश्व युद्ध के होने का खतरा बढ़ गया है। इस युद्ध से यह बात स्पष्ट हो गई है कि विश्व शांति तथा परमाणु अस्त्र शास्त्रों की दौड़ को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ असफल रहा है। इससे पहले भी हम अमेरिका द्वारा वियतनाम, इराक, अफगानिस्तान आदि में सुरक्षा परिषद की अवहेलना करके सैनिक कार्रवाई के बारे में अच्छी तरह जानते हैं। रूस यूक्रेन युद्ध में भी संयुक्त राष्ट्र बेबस होकर रह गया। इसराइल हमास के युद्ध को रोकने के लिए महा शक्तियों को अपने मतभेद भुलाकर सबसे पहले युद्ध विराम कराना चाहिए, हमास द्वारा बंदी बनाए गए लोगों को मुक्त कराना चाहिए, गाजा पट्टी के लोगों को जीवन यापन की सभी सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। इस प्रकार की व्यवस्था करनी चाहिए कि इसराइल और फिलिस्तीन की सीमाएं निर्धारित हो जाए ताकि भविष्य में किसी बात को लेकर दोनों में विवाद ना हो।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

हमारा नेता कैसा हो ?

अशोक पटेल आशु
मेघा-धमतरी
छत्तीसगढ़.

दोपहर का समय,तपती सूर्य अपने पूरे रौबो-रुआब के साथ पुरे तन-मन को पसीने से तर-बतर कर रहा था।धूप की तपन स्पष्ट झलक रही थी।ऐसे समय पर बाहर चौक में लाउडस्पीकर डीजे की आवाज और लोगों की कोलाहल राजेश के कानों की शांति भंग कर रहा थी।और वह जिज्ञासा वश घर से बाहर निकल इधर-उधर देखने लगा।पता चला कोई प्रत्याशी अपने दल- बल के साथ वोट माँगने के लिए क्षेत्र के दौरा में निकला है।तभी आवाज आती है-

हमारा नेता कैसा हो ?

लाला राम जैसा हो..!!

और गाने की आवाज़ सुनाई देती है-

मुझे जब जीताओगे,अमन चैन सुख-सुविधा पाओगे।

और फिर वह प्रत्याशी का दल-बल मेरे घर के सामने आ रूकती है। प्रत्याशी हारों से लदे हुए है,

तन पर बंगाली कुर्ता, सिर पर सेनानी टोपी आँखों पर काले चश्में

देखने से ऐसा जान पड़ता है मानो यही भारत माता का सच्चा सपूत और जनता का सेवक हो।

और फिर मंद-मंद मुकुराते हुए हाथ जोड़कर राजेश की ओर लपके।

इधर राजेश भी संकोच वश अपने हाथ जोड़ते हुए- आइए!आइए !लाला जी!!

हमारे गरीब खाने में आपका स्वागत है!!

फिर नेता जी वोट मांगते हुए बड़ी-बड़ी डिंग हाँकने लगे- कहते हैं-

जब हमारी सरकार आएगी तो सबसे पहले भ्रष्टाचार को खत्म करेगी,और फिर गांव,गरीब, किसान,मजदूरों के प्रति समर्पित रहेगी यही हमारी सरकार की प्राथमिकता व मूल मंत्र होगी।

अतः हमे आप अपना बहुमूल्य वोट हमे प्रदान करें !!

इतना सुनने के बाद राजेश ने उनको कमरे के दीवार मे टंगी बापू, लालबहादुर शास्त्री, सरदार वल्लभ भाई पटेल,आदि की फोटो दिखाई और फिर उनसे कहा-

आपने इन फोटो को कभी गौर से देखा है,

आप इन फोटो को पहचानते हो ?

लाला जी ने कहा-जी !जी ! फलाँ फलाँ..!!

कहते हुए रुक जाते हैं।फिर राजेश ने कहा-

इन महा पुरुषों और स्वतन्त्रता सेनानियों का बस इतना ही परिचय ?

आप लोग कुछ नहीं पहचानते!!

न ही आप, इन लोगों के आदर्शों पर चले।

और न कभी इनके जैसा त्याग,बलिदान किया। और न कभी खरे उतरे।ना कभी उतर पाओगे।

एक बात याद रखना,जो ढिंढोरा पीटता है,वह कुछ करता नही, और जो कुछ करता है वह ढिंढोरा पीटता नही।और सुनलो मै अपना कीमती वोट दूँगा पर योग्य प्रत्याशी को दूँगा।जो देश का हितैषी,और जनता का सेवक हो। किसी दिमक की तरह चाटने वाले को वोट नहीं दूँगा जिसके कारण देश और समाज खोखला हो जाय।इतना सुनने के बाद लाला जी बिना कुछ कहे मौन साधे अपने सिर से टोपी और गले से हार को खींचतें हुए वहाँ से उलटे पाँव खिसक लिये।वहाँ कुछ पल के लिए सन्नाटा छा जाता है,भिड़ एक दूसरे को प्रश्न भरी दृष्टि से देखते हुए आगे निकल जाती है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

प्रभा श्री-काव्य गोष्ठी का मंच

नए पुराने रचनाकारों का स्नेहालय

वाराणसी(काशी),06 नवम्बर 2023। काव्य गोष्ठी सबके लिये (भोपाल) एवं प्रभा श्री फाउंडेशन (काशी) के संयुक्त तत्वावधान में पूरी भव्यता के साथ एक और कवि सम्मेलन संपन्न हुआ। काव्य गोष्ठी सबके लिये (भोपाल) के संस्थापक एवं वरिष्ठ साहित्यकार राजसागर, संस्कार प्रभा की निदेशक प्रख्यात साहित्यकार पुष्पा अवस्थी स्वाती (मुंबई) एवं प्रभा श्री फाउंडेशन की निदेशक जानी मानी कवयित्री प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) के संयुक्त प्रयासों से हर रविवार को होने वाले ऑनलाइन कवि सम्मेलन में देश के ही नहीं अपितु विदेशों से भी अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकारों का प्रतिभाग रहा करता है। साथ ही नवांकुरों को मंच प्रदान कर उनकी साहित्यिक प्रतिभा को निखारने का भी कार्य किया जाता है। इस सप्ताह कवि सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के नाम शीला जैन (वर्जीनिया, अमरीका), डॉ. शशिकांत शर्मा (नागपुर), डॉ. पारस जैन (बस्ती), साधना शाह (वाराणसी), दिव्या मिश्रा (बस्ती) सभी ने अपनी अप्रतिम रचनाओं से अद्भुत काव्य की धारा बहायी। सबने भावुकता के साथ (कीर्तिशेष) पुष्पा अवस्थी स्वाती जी को काव्य के श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विविध विधाओं में सभी ने विभिन्न विषयों पर काव्य पाठ किया। साथ ही साथ सभी ने एक स्वर में प्रभा श्री के इस अद्भुत अनवरत मंच की भूरी भूरी प्रशंसा की । श्रोतागण में हरदा के जयकृष्ण चांडक, बनारस के प्रताप शंकर दुबे, हरदोई के अखिल मिश्रा, इटारसी के मदन तन्हाई आदि ने अपनी रचनाएं मंच को अर्पित कीं। मंच की श्रेष्ठ और सफलतम संचालिका कोकिलकंठी कवयित्री प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) की रचना के उपरांत माहौल अप्रतिम रूप से मंत्रमुग्ध करने लगा। मुंबई की जानी मानी वरिष्ठ साहित्यकार पुष्पा अवस्थी स्वाती के बहुमूल्य आशीर्वचन की छत्रछाया में उनके उद्देश्य को पूरित करने का लक्ष्य लिए हुए प्रियंका अग्निहोत्री 'गीत' (काशी) ने बताया कि विगत चार वर्षों में सौ किताबें प्रकाशित की जा चुकीं, तथा मंच पर 10 हज़ार से अधिक रचनाकार प्रतिभाग करते हुए सम्मानित हो चुके हैं यह मंच पूर्णतः उनके पिता स्व प्रभा शंकर अवस्थी जी एवं माँ स्वाती जी को समर्पित है। प्रभा श्री ग्रुप के अंतर्गत सभी कार्य उनकी स्मृति में उन्हीं की प्रेरणा से आयोजित किये जाते हैं, प्रभा श्री की प्रभा अंधेरों से उजालों की ओर बढ़ने को प्रेरित करती है, नकारात्मकता में भी सकारात्मकता का प्रसार करती हैं इसी प्रकार तालियों के बीच प्रियंका गीत के ही द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह मंच साहित्यिक प्रतिभाओं को निखारने के लिए सदैव तत्पर है। प्रतिभाग करने के इच्छुक कवि प्रियंका गीत जी से संपर्क कर सकते हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तुममें से एक

उत्तर की तलाश मत करो
यह उपलब्ध नहीं हो सकता है
क्या पर? वो शब्द
बिना उत्तर जाने
दिल टूटने के साथ आपका जीवन
दिशा बदलें
सहायता उपलब्ध है
आपसे अनभिज्ञ, आप में से एक..

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

देखव हमर बेटी मन कईसे सुग्घर सुआ नाचत हे

हमर छत्तीसगढ़ के मान बढ़ावत हे,
देखव हमर बेटी मन,
कईसे सुग्घर सुआ नाचत हे।
हमर छत्तीसगढ के संस्कृति ल बचावत हे,
देखव हमर बेटी मन,
कईसे सुग्घर सुआ नाचत हे।
घर घर जाके सुआ के गीत गावत हे,
देखव हमर बेटी मन,
कईसे सुग्घर सुआ नाचत हे।
हमर जुन्ना परंपरा ल निभावत हे,
देखव हमर बेटी मन,
कईसे सुग्घर सुआ नाचत हे।
टूकनी में बैठे सुआ के जोड़ी,
अब्बर सुहावत हे,
देखव हमर बेटी मन,
कईसे सुग्घर सुआ नाचत हे।
बदला म चउर अऊ पैसा लेके,
हमन ल आशीष देवत हे।
देखव हमर बेटी मन,
कईसे सुग्घर सुआ नाचत हे।

श्याम सुंदर साहू
राजिम,
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सरगुजा में उपमुख्यमंत्री की जीत राह आसान नहीं, भाजपा प्रत्याशी के साथ हो सकती है कड़ी टक्कर

छत्तीसगढ़ का रहा है इतिहास जब-जब कोई भी पंचायत मंत्री बना उसकी हार देखी गई,क्या इस टोटके को खत्म कर पाएंगे भावी मुख्यमंत्री ?

मुसलमानों का भी विरोध दिख रहा भावी मुख्यमंत्री के खिलाफ...भावी मुख्यमंत्री का पूरा परिवार उतरा प्रचार में

- » भाजपा प्रत्याशी को अंबिकापुर से उनके समाज का भी नहीं मिल रहा पूरा समर्थन
- » राजेश अग्रवाल को भाजपा से प्रत्याशी तय होने के बाद एक दावेदार ने किया पार्टी प्रचार से किनारा,एक अन्य भी प्रचार से हुए किनारे
- » कहीं भाजपा की रणनीति के तहत तो जारी नहीं हुआ मुस्लिम युवा मंच का विरोध कर समाज को तोड़ने का प्रयास
- » बढी भावी मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की चुनौती...मुस्लिम युवा मंच ने तरजीह नहीं मिलने पर लिया खुलकर विरोध करने का निर्णय
- » वायरल पत्र में मुस्लिम युवा मंच की नाराजगी से क्या भावी मुख्यमंत्री कि जीत पर संशय ?
- » मुस्लिम युवा मंच के भावी मुख्यमंत्री के विरोध को उप मुख्यमंत्री के लिए गैर मुस्लिम समुदाय समर्थन से भी जोड़कर देखा जा रहा है...
- » मुस्लिम समुदाय का विरोध देखकर अन्य समुदाय उप मुख्यमंत्री के समर्थन में आ जाए यह भी विरोध का एक मतलब निकाला जा रहा है

फाईल:फोटो

फाईल:फोटो

- विशेष संवाददाता -
अम्बिकापुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव की सरगर्मी अपने पुरे सवाब पर है लोग अपने-अपने चुनावीं प्रचार में जोर-शोर से लग चुके है व खूब पसीना भी बहा रहे है पर जब से कांग्रेस ने भाजपा ने अपने उम्मीदवरों की अंतिम सूची जारी कर दी है तो वही नामांकन प्रक्रिया तक हो चुकी है उसके बाद भी शहर के लोकप्रीय श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष व सरगुजा के दिग्गज नेता शफ़ी अहमद किसी भी कार्यक्रम में ना दिखाई दिए ना ही किसी कार्यक्रम में शिरकत की है, अभी तक वे दुरी बनाये रखा है किसी प्रचार-प्रसार में अभी तक नही दिखाई दिए है इसका मुख्य कारण भटगाँव विधानसभा में सर्वे सूची में सबसे ऊपर नाम होने के बाद भी उनको टिकट ना दे के पारश नाथ राजवाड़े को टिकट दे दिया गया ये बोल कर की यहाँ राजवाड़े समाज के लोग अधीक हैं जबकी भटगाँव विधानसभा में शफ़ी अहमद पिछ्ले एक दशक से सक्रिय राजनीति में शामिल रहे है और तो और वहाँ की जनता की एक ही पुकार थी अबकी बार सफ़ी अहमद को उम्मीदवार बनाया जाए...जनता के दिलों में राज करने वाले प्रत्यासी को टिकट ना मिलने से भटगाँव के कई बडे नेता व कार्यकर्ता काभी नाराज चल रहे है। दिग्गज नेता का कार्यक्रमों में शामिल ना होना ये टीएस सिंह देव के लिए खतरे की घंटी तो नहीं है । अब एक और चुनौती बाहर निकल कर आ रही है अम्बिकापुर में छतीसगढ़ मुस्लिम युवा मंच ने भी टीएस सिंह देव का विरोध कर दिया है। टीएस सिंहदेव के विरोध में मुस्लिम युवा मंच के विरोध को एक अलग तरीके से भी माना जा रहा है जिसमे यह माना जा रहा है की हो सकता है की गैर मुस्लिम मतदाताओं को कांग्रेस की तरफ आकर्षित करने का यह एक तरीका हो क्योंकि गैर मुस्लिम समुदाय का ध्रुवीकरण भाजपा की तरफ होने से रोका जाए। वैसे बात जो भी हो उप मुख्यमंत्री के लिए इस बार चुनाव आसान नहीं नजर आ रहा है और उनका पूरा परिवार रिश्तेदार चुनावी प्रचार में जुटे हुए हैं।

समाज का कोई भी मांग नहीं हुई पूरी कर रहे...होगा पुरजोर विरोध

छतीसगढ़ मुस्लिम युवा मंच ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है की तकिया शरीफ अम्बिकापुर में छतीसगढ़ मुस्लिम युवा मंच अम्बिकापुर ने जो बैठक की गई थी उसमें सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया है की आगामी विधान सभा चुनाव अम्बिकापुर के लिये इस बार हमारा संगठन छतीसगढ़ मुस्लिम युवा मंच के सभी कार्यकर्ता और सदस्य केवल अम्बिकापुर मे कांग्रेस विधायक का विरोध करेंगे और वोट इस बार भाजपा को देंगे, और जो नहीं देना चाहते भाजपा को वह नोटा में देंगे,मुस्लिम मतदाता की ताकत दिखाओ मुहिम समिति के बैनर तले आगामी 08 नवंबर से मुस्लिम बाहुल्य इलाको में घर-घर जाकर मतदाताओ को जागरूक करेंगे और परचे बांटकर विधायक की तमाम विफलतायें बताएँगे ज्ञात हो की टीएस सिंहदेव के द्वारा पिछ्ले पंद्रह वर्षो में हमारे समाज का कोई भी मांग पूरा नहीं किया गया,ना ही समुदाय के लिए कुछ ऐसा काम किया हो जिससे समुदाय को लाभ मीला हो, जिससे तमाम मुस्लिम मतदाता काफी गुस्से मे है और न ही अपने शहर अम्बिकापुर का विकाश या कोई नया काम हुआ ।

छतीसगढ़ के स्वास्थ मंत्री होते अपने शहर के मेडिकल कॉलेज में स्पेसलिस्ट डॉक्टरों की नियुक्ति नही कर पाए

स्वास्थ्य मंत्री होते हुवे भी मेडिकल कॉलेज में न्यूरोसर्जन नहीं है, किडनी रोग विशेषज्ञ नहीं है,ना ही मेडिकल कॉलेज का कायाकल्प हो सका आज भी वही जर्जर भवन,स्टाफ की कमी,अस्पताल की दुर्दशा देखने के बाद अपने आप पर भरोसा नही होता है की हमारे विधानसभा के केबीनेट मंत्री का ये शहर अपने दुर्दशा पर आंसु बहा रहा है। लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है जिससे टीएस सिंहदेव के लिए यह चुनाव आसान नही है।

सड़को की हालत बद से बद्तर

सरकारी अस्पताल रोड,शहर के मुख्य मार्गो में हर जगह बडे गढ़े, सब जर्जर हालत में है, और बड़े ओहदे में होते हुये भी समुदाय के लिए एक भी कोई ऐसा काम नही किए जिससे लाभ मील सके । काम नही तो वोट नही का निर्णय लिया गया। तमाम पिछले चुनावी आंकड़े की भी समीक्षा किया गया और ये पाया गया की मुस्लिम वोटर कांग्रेस के परंपरागत वोटर है जो एक मुश्त 25 से 30 हजार वोट कांग्रेस को जाता था उसके बाद भी हमारे मुस्लिम समाज की उपेक्षा किया गया और संभाग मे एक मुस्लिम विधायक के लिये शीट की मांग की गई थी जिसे बाबा द्वारा पूरा नहीं किया गया।

अम्बिकापूर विधानसभा के सभी जगह जा कर नुक्कड़,नाटक व अपील की जाएगी,टीएस सिंह देव का होगा विरोध

14 नवंबर से जगह जगह नुक्कड़ सभा करके लोगो को जागरूक करने का काम भी करेंगे और अधिक से अधिक वोट करने के लिये जनता से अपील करेंगे और जीतने भी साड़ी कंबल बटा है उसे लोगों के द्वारा अपील कर निवेदन करेंगे की वे अपने घर से निकाल कर जला देंगे या निर्वाचन अधिकारी से शिकायत करेंगे, पर कांग्रेस समर्थित उमीदवार को किसी भी सूरत में अपना वोट नही दें।

फाईल:फोटो

फाईल:फोटो

छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज तक कोई पंचायत मंत्री दूसरी बार चुनाव नहीं जीत सका,क्या यह टोटका सही है यह इसे तोड़ेंगे भावी मुख्यमंत्री ?

छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज तक कोई भी पंचायत मंत्री दूसरी बार चुनाव नहीं जीत सका है, कहने का मतलब जो भी पंचायत मंत्री बना वह दूसरा चुनाव जरूर हारा,इस बार टी एस सिंहदेव भी पंचायत मंत्री की जिम्मेदारी निभा चुके हैं क्या वह इस टोटके को तोड़ेंगे यह भी सवाल है। वैसे उन्होंने एक वर्ष पहले यह पद त्याग दिया था तब उनकी नाराजगी की बात सामने आई थी,क्या यही वजह थी उन्होंने पंचायत मंत्री का पद छोड़ दिया था,वैसे वर्तमान में जो पंचायत मंत्री हैं वह भी अच्छी स्थिति में चुनाव में नहीं हैं और देखना है की क्या टी एस सिंहदेव ने पहले ही पंचायत विभाग छोड़कर समझदारी दिखाई थी।

टी एस सिंहदेव का पूरा परिवार नाते रिश्तेदार भी उतरे उनके चुनाव प्रचार में...सभी कर रहे जी तोड़ मेहनत

टी एस सिंहदेव जो वर्तमान में उप मुख्यमंत्री भी हैं इस बार उनकी अपने विधानसभा में स्थिति बेहतर नहीं मानी जा रही है वर्तमान स्थिति अनुसार,इस बार उनका पूरा परिवार नात रिश्तेदार चुनाव प्रचार में काफी मेहनत कर रहे हैं,देखना है उनकी मेहनत कितनी सार्थक साबित होती है।

समाज के लोग भी टी एस सिंहदेव के पक्ष में नहीं आ रहे नजर यह भी उनके लिए मुश्किल वाला मामला

टी एस सिंहदेव के समर्थन में इस बार उनके खुद का समाज भी नजर नहीं आ रहा है जो उनके लिए मुश्किल वाला मामला साबित हो रहा है। समाज से ही समर्थन नहीं मिलना यह कहीं न कहीं बड़ी विफलताओं में से एक मानी जा रही है।

भाजपा प्रत्याशी की भी मुश्किलें कम नहीं,भाजपा के दो बड़े नेताओं ने चुनाव प्रचार से कर लिया है किनारा

भाजपा प्रत्याशी के लिए भी चुनाव आसान नहीं है,दो भाजपा नेता जो खुद टिकट के दावेदारों में शामिल थे उन्होंने चुनाव प्रचार अभियान से खुद को किनारे कर लिया है। उनका कहना है की वह पार्टी के साथ तो हैं लेकिन वह सक्रिय रहकर काम नहीं करने वाले ऐसे में भाजपा प्रत्याशी के लिए अंबिकापुर शहर में खुद के लिए समर्थन जुटा पाना मुश्किल भरा मामला है क्योंकि वह मूलतः शहर के निवासी नहीं हैं वह विधानसभा के ही अन्य क्षेत्र के निवासी हैं।

मुस्लिम युवा मंच क्या सच में करेगा टी एस सिंहदेव का चुनाव में बहिष्कार, या बहिष्कार एक रणनीति भावी मुख्यमंत्री के लिए समर्थन की

मुस्लिम युवा मंच का बहिष्कार पत्र सामने आया है जो उप मुख्यमंत्री के विपक्ष में मुस्लिम समुदाय के मत को करने के पत्र है। यह पत्र आते ही यह बात समझी जा रही है की मुस्लिम मतदाता जो कांग्रेस के परंपरागत मतदाता हैं जो अन्य दलों में समर्थन नहीं देते एकतरफा कांग्रेस को ही उनका समर्थन मिलता है क्या वह सच में इस बार कांग्रेस प्रत्याशी के विपक्ष में मतदान करेंगे,वैसे इस पत्र को लेकर यह भी माना जा रहा है की अन्य समुदाय गैर मुस्लिम समुदाय का समर्थन कांग्रेस प्रत्याशी को मिल सके भाजपा का गैर मुस्लिम ध्रुवीकरण अप्रभावित हो सके यह भी पत्र का एक उद्देश्य हो सकता है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर से मरीज के परिजन की बाइक चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थित एमसीएच परिसर से मरीज के परिजन की बाइक अज्ञात चोरों ने पार कर दी। युवक ने बाइक चोरी की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार कमलेश्वर राजवाड़े जयनगर का रहने वाला है। वह अपनी बेटी को इलाज के लिए 4 नवंबर को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज स्थित एमसीएच में भर्ती कराया है। शाम 5 बजे कमलेश्वर बाइक क्रमांक सीजी 15 डीएफ 3550 से बेटी को देखने आया था और बाइक को परिसर में खड़ी कर वार्ड में चला गया। दूसरे दिन सुबह घर जाने निकाला तो उसकी बाइक नहीं थी। किसी अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गई थी। वह मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वीप कार्यक्रमों में युवा ले रहे बढ़चढ़ कर हिस्सा

छात्र-छात्राओं नेपोस्टर,रंगोली बनाकर,विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए ली मतदान की शपथ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मतदान के प्रति जागरूकता और शत प्रतिशत मतदान के उद्देश्य के साथ स्वीप कार्यक्रमों में जिले के युवा बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। जिला प्रशासन सरगुजा तथा विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने कार्यक्रम में शामिल होकर युवा मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप के नोडल अधिकारी नूतन कुमार कंवर, महाविद्यालय के प्राचार्य आर एन खरे,सम्बन्धित अधिकारी, महाविद्यालय के प्रोफेसर,छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदान अपील करते हुए तैयार की वीडियो अतिथियों के समक्ष दिखाई गई। छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए मतदान से सम्बन्धित रंगोली एवं पोस्टर का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वरचित कविता, गीत, नुक्कड़ नाटक, नृत्य के द्वारा युवा मतदाताओं ने वोट के महत्व से सभी को अवगत कराया।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अखोरा खुर्द के पास 5 नवंबर को कार सवार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार ओमप्रकाश मिंज पिता कमला मिंज उम्र 32 वर्ष बरियों थाना क्षेत्र के ग्राम सिदमा का रहने वाला था। वह 5 नवंबर की शाम को घर से अंबिकापुर जा रहा था। रास्ते में अखोरा खुर्द के पास सामने से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे ओमप्रकाश गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छात्रों द्वारा मशाल रैली निकालकर लोगों को मतदान के प्रति किया जागरूक

- संवाददाता -
सूरजपुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुए मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सूरजपुर संजय अग्रवाल के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम संयुक्त कलेक्टर एवं जिला उप निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओ को मतदान के प्रति जागरूक करने एवं शत् प्रतिशत मतदान कराने हेतु सूरजपुर जिले के समस्त विद्यालयों एवं आश्रमों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम कराये जा रहे हैं। जैसे स्वीप रैली, मानव श्रृंखला, नुक्कड नाटक, भाषण, स्वीप चित्रकला, स्वीप रंगोली, स्वीप पेंटिंग, स्वीप मेंहदी, मशाल रैली आदि के द्वारा मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का प्रयास जारी है। इसी तारतम्य में आज सूरजपुर जिले के एकलव्य आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर, भैयाथान में विशाल रैली का आयोजन किया गया। आवासीय विद्यालय में अध्यनरत छात्रों द्वारा अपने विद्यालय से मशाल रैली निकालकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। लोगों को शत-प्रतिशत मतदान करने हेतु को प्रेरित किया गया।

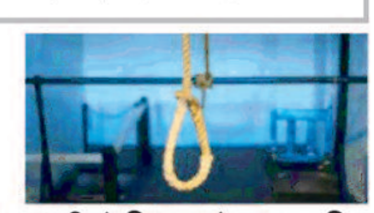

पत्नी से विवाद के बाद पति ने फांसी लगाकर दी जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर से लगे भिट्ठी कला गांव में रविवार की रात पत्नी से विवाद के बाद पति ने फांसी लगा ली। परिजन ने देखा तो उसे फंदे से उतार कर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राहुल राजवाड़े पिता कमेसरू उम्र 30 वर्ष मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भिट्ठी का रहने वाला था। रविवार की रात राहुल व उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आस पास के लोगों ने उसके घर जाकर समझाइश दी थी। इसके बाद राहुल अपने कमरे में सोने चला गया। कुछ देर बाद उसकी पत्नी कमरे में गई तो उसक पति फांसी के फंदे पर झूल रहा था। परिजन की मदद से उसे फंदे से उतारकर इलाजा के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खतरों के खिलाड़ी सत्यम को 29 बार सांप ने डसा,अब तक किया 6 हजार सांपों का रेस्क्यू

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

स्नेक मैन सत्यम द्विवेदी इकोसिस्टम को बचाने के लिए हर कोशिश कर रहे हैं। उन पर इकोसिस्टम का ऐसा जुनून है कि अब तक वह 29 से अधिक बार रेस्क्यू के दौरान सर्पदंश के शिकार भी हो चुके हैं। इसके बावजूद भी वह अपनी जान को हथेली पर रखकर सांप सहित अन्य वन्य जीवों को बचाने में लगे हैं। वह अब तक 6000 से अधिक सांपों का रेस्क्यू कर चुके हैं। कंप्यूटर साइंस व एलएलबी की पढ़ाई कर चुके सत्यम का मानना है कि सांप वास्तव में पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। ये उतने हानिकारक नहीं होते जितना हम सोचते हैं।

सरगुजा संभाग में स्नेक मैन के नाम से विख्यात हो चुके सत्यम द्विवेदी अपनी जान की परवाह किए बगैर सांपों को पकडक़र जंगलों में आजाद कर उनके जीवन को बचाने का काम कर रहे हैं। सत्यम द्विवेदी अब तक 6 हजार से अधिक सांपों का रेस्क्यू कर चुके है। रेस्क्यू में दुर्लभ सफेद करैत के साथ कई जहरीले सांप शामिल हैं। यहीं नहीं रेस्क्यू के दौरान सत्यम द्विवेदी लगभग 29 बार सर्पदंश का भी शिकार हो चुके हैं। रेस्क्यू के दौरान कुछ जहरीले सांपों ने भी डस लिया है पर खुद की सूझबूझ और तत्काल अस्पताल पहुंचकर एंटी स्नेक वेनम लगवाने से उनकी जान अब तक सलामत है। इतने खतरों के बावजूद सांपों के साथ कई बेजुबान जानवरों को बचाने की मुहिम छेड़ रखी है।

सत्यम ने बताया कि जब मैं कंप्यूटर साइंस से बीएससी व एलएलबी करने के बाद वर्ष 2016 में पीएससी की तैयारी कर रहे थे, तभी मेरे जेहन में बेजुबान जानवरों की सेवा करने की भावना उत्पन्न हुई। फिर अपने कॅरियर को छोडक़र सांपों को रेस्क्यू करने काम शुरू किया। इसके बाद से लगातार सांपों का रेस्क्यू करते आ रहा हूं। सत्यम द्विवेदी बताते हैं कि पर्यावरण के लिए सांप बहुत ही जरूरी है, इसलिए उन्हें बचाकर में जंगलों में छोड़ देता हूं।

100 से अधिक जीवों को आश्रय

सत्यम द्विवेदी बीते 5 वर्षो से सरगुजा की जैव विविधता के संरक्षण हेतु प्रयासरत हैं। बीते 5 वर्ष में उन्होंने 6000 से अधिक सर्प का रेस्क्यू , 1500 से अधिक पंछियों की जान बचाई है। वहीं प्रति वर्ष 50 से अधिक पौधे भी लगाते हैं। वहीं घायल सांपों, पंछियों के संरक्षण हेतु संभाग का एक मात्र मां महामाया पशु पुनर्वास केंद्र संचालित कर रहे हैं। यहा उन्होंने 100 से अधिक घायल, बीमार, दृष्टि हीन जीवों को आश्रय प्रदान किया है।

ऐसे खतरनाक वन्य जीवों को भी बचाया

सत्यम ने बीते वर्षो में कैंसर से जूझ रहे सर्प, घायल विशाल काय बाज सहित मॉनिटर लिजार्ड का भी उपचार कराकर जीवन बचाया है। कभी कुएं में उतरकर तो कभी 80-90 किमी की यात्रा कर बेजुबान जीवों को जीवन देने का काम किया है। सत्यम ने बताया कि सफेद करैत (कॉमन एल्बिनो करैत) व शहर में कौतूहल का केन्द्र बने मॉनिटर लिजार्ड का भी रेस्क्यू किया है।

पारिस्थितिकी तंत्र में सांपों की महत्वपूर्ण भूमिका

सत्यम द्विवेदी ने बताया कि सांप वास्तव में पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। ये उतने हानिकारक नहीं होते जितना हम सोचते हैं, अगर ये आपके बगीचे में रहते हैं तो अन्य कीड़े, चूहे आदि बगीचे से दूर ही रहते हैं। बगीचे में सांप का रहना हमारी जान के लिए बहुत जोखिम भरा हो सकता है, लेकिन बगीचे में सांप होना कुछ लोगों को लाभप्रद लगता है। सांप हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हमें आर्थिक और चिकित्सकीय लाभ प्रदान करते हैं। अब समय आ गया है कि हम अपने समाज को स्वस्थ बनाने के लिए जैव विविधता में सांपों को महत्व देना शुरू करें।

पाकिस्तान से रविवार को साढ़े छह हजार अफगानी वापस भेजे,अब तक कुल आकंड़ा 1,70,000 के पार

इस्लामाबाद,06 नवम्बर 2023। पाकिस्तान ने रविवार को साढ़े छह हजार से ज्यादा अवैध अफगानियों को निर्वासित किया। ये अफगानी नागरिक तोरखाम बॉर्डर से अफगानिस्तान पहुंचे। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल 1,70,000 अफगानी नागरिक, जो अवैध रूप से पाकिस्तान में रह रहे थे, उन्हें वापस अफगानिस्तान भेजा जा चुका है। बता दें कि पाकिस्तान में लाखों की संख्या में अवैध अफगानी रह रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तानी सरकार ने बीते दिनों वापस अफगानिस्तान जाने का अल्टीमेटम दे दिया है।

कैदियों को किया जा रहा निर्वासित

पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, 17 सितंबर से अब तक कुल 1,74,358 अफगानी नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है। स्वेच्छा से जाने वाले अफगानियों के लिए एक नवंबर तक की समय सीमा तय की गई थी लेकिन अभी भी लोगों को स्वेच्छा से वापस जाने की छूट है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को ही 6584 अफगानी नागरिक पाकिस्तान छोड़कर चले गए, जिनमें बच्चे, महिलाएं भी शामिल हैं। इससे पहले शनिवार को पाकिस्तानी पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की जेलों से 209 कैदियों को निर्वासित किया गया। अब तक पाकिस्तान छोड़कर गए अफगानियों में 46,936 पुरुष, 35,507 महिलाएं और 85,331 बच्चे शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने की आलोचना

जो अफगानी पाकिस्तान में रह रहे हैं और अपराधिक घटनाओं में शामिल हैं, उन्हें भी अफगानिस्तान निर्वासित किया जा रहा है। 1 नवंबर को 500 कैदियों को निर्वासित किया गया। शनिवार को 700 अफगानी चमन बॉर्डर से अफगानिस्तान लौट गए। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने अफगानियों को निर्वासित करने के लिए पाकिस्तान सरकार की आलोचना कर रही हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अफगानिस्तान लौटे लोग खुले में सोने के लिए मजबूर हैं और उनके पानी और भोजन की भी समुचित व्यवस्था नहीं है।

जिस एयरबेस पर अमेरिकी सैनिकों का ठिकाना,वहां फलस्तीन समर्थकों ने बोला धावा,पुलिस से भिड़े उपद्रवी

अदाना,06 नवम्बर 2023 । इस्राइल और हमास के बीच जारी युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार एक-दूसरे पर रॉकेट दागे जा रहे हैं। इस्राइली सेना ने हमास के एक एक आतंकी को खत्म करने का संकल्प लिया। वहीं, अमेरिका इस्राइल के साथ डटकर खड़ा है। इसकी वजह से उसके विरोध में जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच, गाजा पर वार्ता के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के अंकारा पहुंचने से कुछ घंटे पहले, रविवार को फलस्तीन समर्थक लोगों ने अमेरिकी एयरबेस पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि, तुर्किए पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया।

बढ़ता जा रहा मानवीय संकट

हमास-इस्राइल युद्ध में करीब 11 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा में मरने वालों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। ऐसे में, यहां मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है। गाजा में मानवीय संकट बदतर होने के कारण तुर्किए लगातार इस्राइल की तीखी आलोचना कर रहा है और दूसरी तरफ वह हमास के सदस्यों की मेजबानी करते हुए टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थन कर रहा है। गौरतलब है, इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से तुर्किए में बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

इंसर्लिक एयरबेस पर भीड़ जमा

इस सप्ताह की शुरुआत में, आईएचएच ह्यूमैनिटेरियन रिलीफ फाउंडेशन ने अमेरिका द्वारा इस्राइल का समर्थन करने का विरोध जताने के लिए दक्षिणी तुर्किए के अदाना प्रांत में इंसर्लिक एयरबेस पर भीड़ को जमा किया। दरअसल, इंसर्लिक एयरबेस का इस्तेमाल सीरिया और इराक में इस्लामिक स्टेट से लड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को मदद देने के लिए किया जाता है। इसमें अमेरिकी सैनिक भी शामिल हैं।

पुलिस को बनाया निशाना

एयरबेस के बाहर जुटी भीड़ फलस्तीनी झंडे लहराती और नारे लगाती दिखी। इतना ही नहीं, उपद्रवियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को गिरा दिए और उनसे भिड़ गई। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर प्लास्टिक की कुर्सियां, पत्थर और अन्य सामान भी फेंका।

आंसू गैस के गोले छोड़े

बिगड़ते हालात को देखकर पुलिस ने आंसू गैस छोड़ने का फैसला लिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, साथ ही पानी की बौछार भी की। इसके बाद भीड़ और भड़क गई और सुरक्षा बलों से जबरदस्त झड़प हुई। फलस्तीन समर्थकों के विरोध प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

पुलिस पर हमला ना करने की अपील

आईएचएच के विरोध प्रदर्शन के दौरान इंसर्लिक को बंद करने की मांग की गई। हालांकि, आईएचएच के अध्यक्ष बुलेंट यिल्डिरिम ने अदाना में भीड़ से पुलिस पर हमला ना करने की अपील की।

पीओके में पाकिस्तान की नई साजिश,लोगों को उकसाने के लिए प्रचारित की जा रही झूठी कहानी

नई दिल्ली,06 नवम्बर 2023। पाकिस्तान द्वारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में किए जा रहे सुनियोजित दुष्प्रचार का खुलासा हुआ है। पीओके में पकिस्तान और कई पाकिस्तानी संगठन आज के दिन को जम्मू शहीद दिवस मना रहे हैं। इस दिन के लेकर झूठी कहानियां बनाकर पीओके के लोगों को उकसाने की साजिश रची जा रही है।

इस दुष्प्रचार के लिए फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए पीओके और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में रैलियां, विशेष समारोह, सेमिनार और संगोष्ठियां की जा रही हैं। जिन स्थानों पर ये कार्यक्रम हो रहे हैं, उनमें मुजफ्फराबाद, मीरपुर, कोटली, बाग, रावलकोट, पलांड्री, हवेली, हटियान, नीलम घाटी जैसे स्थान शामिल हैं।

कश्मीर में कब मनाया जाता है शहीद दिवस?

असल में कश्मीर के लोग 13 जुलाई को शहीद दिवस मनाते हैं। 1931 तत्कालीन डोगरा शासक की सेना ने 22 कश्मीरी लोगों की हत्या कर दी थी। इसी घटना की याद में कश्मीर 13 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाते हैं।

इस्राइल पर ईरान-हिज्बुल्ला के हमले का खतरा, अमेरिका ने पश्चिम एशिया में भेजी परमाणु पनडुब्बी

यरुशलम,06 नवम्बर 2023। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष को अब एक महीने पूरे होने वाले हैं। हालांकि, इस बीच दोनों तरफ से हमले जारी हैं। जहां इस्राइल में हमास के हमले में अब तक 1400 से ज्यादा की मौत हुई है, वहीं गाजा पट्टी में इस्राइली सेना के पलटवार में करीब 10 हजार की जान जा चुकी है। इस बीच इस्राइल पर लेबनान के ईरान समर्थित संगठन-हिजबुल्ला की तरफ से हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। खुद ईरान भी कई मौकों पर इस्राइल को अंजाम भुगतने की चेतावनी दे चुका है। इन हालात के मद्देनजर अमेरिका ने एलान किया है कि उसने अपनी एक परमाणु पनडुब्बी पश्चिमी एशिया में उतार दी है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उसकी एक ओहायो क्लास सबमरीन पांच नवंबर को ही कमान के जिम्मेदारी वाले इलाके में उतर चुकी है। सेंट्रल कमांड ने इस पोस्ट में एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें सबमरीन को मिस्र के काहिरा में स्थित अल-सलाम ब्रिज के नीचे से गुजरते देखा जा सकता है।

सीएनएन के मुताबिक, पश्चिमी एशिया में गाइडेड मिसाइल सबमरीन भेजी गई है। माना जा रहा है कि अमेरिका अपने इस कदम के जरिए ईरान और उसके समर्थित संगठनों को इस्राइल-हमास संघर्ष में न कूदने की सीधी चेतावनी दे रहा है। गौरतलब है कि अमेरिक ने पहले ही कुछ युद्धपोतों को पश्चिमी एशिया भेजा है। इनमें दो कैरियर स्ट्राइक और एक समुद्री समूह शामिल है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च 2011 के बाद यह पहली बार है जब किसी गाइडेड मिसाइल सबमरीन को संघर्ष की स्थिति में उतारा गया हो। 2011 में गाइडेड मिसाइल सबमरीन यूएसएस फ्लोरिडा ने लीबिया में ऑपरेशन ओडीसी डॉन के दौरान लीबिया में कई टारगेट पर 100 से ज्यादा टॉमहॉक मिसाइलें दागी थीं।

निधन के नौ महीने बाद मुशर्रफ की याचिका पर कोर्ट में सुनवाई;देशद्रोह के मामले में सुनाई गई थी सजा

इस्लामाबाद,06नवम्बर 2023। पाकिस्तान की शीर्ष अदालत पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ की ओर से दायर उन अपीलों पर शुक्रवार को सुनवाई शुरू करेगी, जिसमें देशद्रोह के एक मामले में विशेष अदालत द्वारा उन्हें सुनाई गई मौत की सजा को पलटने की मांग की गई थी। मुशर्रफ को 2019 में विशेष अदालत ने उनकी गैर-मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी, जिसने उन्हें तीन नवंबर, 2007 को संविधान को स्थगित रखकर आपातकाल लगाने के लिए राजद्रोह का दोषी पाया था।

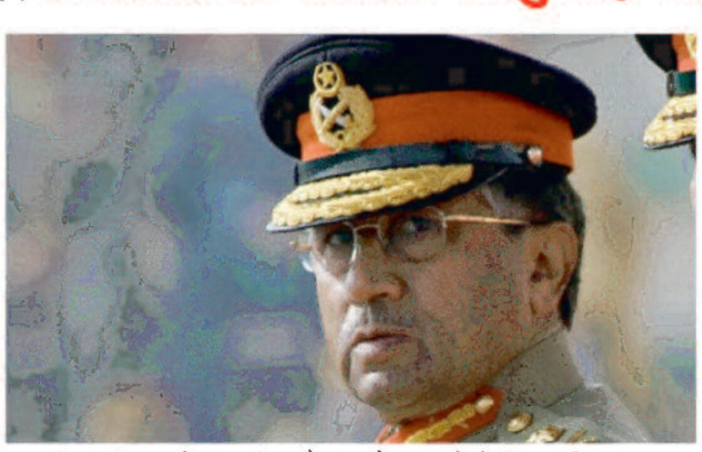

इस फैसले ने देश की सेना को नाराज कर दिया था। यह पहली बार था जब पाकिस्तान में किसी पूर्व शीर्ष सैन्य अधिकारी को देशद्रोह के लिए इस तरह की सजा का सामना करना पड़ा था। बाद में लाहौर उच्च न्यायालय ने मौत की सजा को रद्द कर दिया था। सेना ने 75 वर्षों से अधिक समय तक की अवधि के लिए पाकिस्तान में शासन किया है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा, न्यायमूर्ति सैयद मंसूर अली शाह, न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान और न्यायमूर्ति अतहर मिनाल्लाह की चार सदस्यीय पीठ विशेष अदालत द्वारा मुशर्रफ को सुनाई गई मौत की सजा को पलटने की मांग वाली अपीलों पर सुनवाई करेगी। मुशर्रफ ने अपने वकील सलमान सफदर के जरिए दोषसिद्धि को रद्द करने के लिए अपील दायर की थी क्योंकि मुकदमा संविधान के साथ-साथ आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) 1898 के उल्लंघन के लिए चलाया गया था और पूरा किया गया था।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अपील में कहा गया है कि पूर्व राष्ट्रपति पर पूरी तरह असंवैधानिक तरीके से संवैधानिक अपराध का मुकदमा चलाया गया। याचिका में कहा गया है कि मुशर्रफ पाकिस्तानी सेना के पूर्व चार सितारा जनरल हैं और उनका करियर उल्लेखनीय रूप से प्रतिष्ठित रहा है। एक अन्य घटनाक्रम में सिंध उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने विशेष अदालत के फैसले को असंवैधानिक घोषित करने के लाहौर उच्च न्यायालय के जनवरी 2020 के फैसले को भी चुनौती दी थी और उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करने की मांग की थी।

याचिका में शीर्ष अदालत से संविधान को नष्ट करने के लिए विशेष अदालत द्वारा दी गई सजा को बहाल करने का भी अनुरोध किया गया था। वकील रशीद ए. रजवी द्वारा दायर अपील में कहा गया था कि उच्च न्यायालय का फैसला पूरी तरह से अवैधता, तथ्यों की गलत समझ, कानून की अनदेखी से ग्रस्त है और इसलिए शीर्ष अदालत इसे निरस्त कर सकती है।

प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का कराना होगा पूर्व प्रमाणीकरण

मतदाताओं को भ्रमित करने वाले विज्ञापनों पर होगी रोक

- संवाददाता -
सूरजपुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 में इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के साथ ही प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन को रोकने के संबंध में व्यापक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत मतदान दिवस और उसके एक दिवस पूर्व प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण आवश्यक है। भारत निर्वाचन आयोग से इस संबंध में जारी परिपत्र की जानकारी देते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन हेतु दूसरे चरण के मतदान दिवस के एक दिन पूर्व तथा मतदान दिवस को अर्थात 16 एवं 17 नवंबर 2023 को प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के प्रकाशन के पूर्व जिला अथवा राज्य स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति से विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन अनिवार्य किया गया है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य स्तरीय तथा जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति को प्रमाणन हेतु प्राप्त आवेदन पर त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान दिवस के पूर्व एवं मतदान तिथि को प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन के बाद वे दल अथवा प्रत्याशी जो इससे प्रभावित होते हैं, उनके पास किसी भी प्रकार की सफाई अथवा खंडन का अवसर नहीं होता। ऐसे में स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन जरूरी है।

नुक्कड़ सभा में आदर्श आचार संहिता व छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का उल्लंघन

- संवाददाता -
सूरजपुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा प्रतापपुर (06) के एक प्रत्याशी द्वारा प्रतापपुर नगर पंचायत चौक पर कुछ दिन पूर्व एक नुक्कड़ सभा रखी गई थी। यह नुक्कड़ सभा ईराकी ट्रेडर्स के सामने प्रतापपुर चौक पर एक घंटे के लिए थी। जिसमें उपस्थित उड़न दस्ता टीम द्वारा नुक्कड़ सभा के दौरान उपयोग में ले जाने वाले वाहन में अनुमति से अतिरिक्त साउंड सिस्टम का उपयोग करते पाया गया। मौके पर अनुमति का दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं था। नुक्कड़ सभा की अवधि पर ही एक अन्य पार्टी वहां से गुजरी जो कि अपने पक्ष में प्रचार प्रसार कर रही थी। यहां दोनों पार्टियों के बीच आपसी विवाद भी हुआ। प्रकरण के संज्ञान में आते ही प्रतापपुर (06) रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा उपरोक्त प्रकरण के तहत संबंधित को आदर्श आचार संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 व छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम एवं ध्वनि प्रदूषण नियम के उल्लंघन के तहत नोटिस दिया गया।

स्कूली बच्चों द्वारा रंगोली एवं नाटक के द्वारा मतदान के लिए की गई अपील

- संवाददाता -
सूरजपुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव 2023 को देखते हुए जिले में शत प्रतिशत मतदान के लिए जिला स्वीप के तहत दिए गए निर्देश के अनुसार जिले के सभी विकास खंडों में मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए स्कूली बच्चों द्वारा रंगोली एवं नाटक के द्वारा मतदान के लिए बच्चों के द्वारा अपील की गई। उनके द्वारा संदेश दिया गया की सभी मतदान में शामिल हो और एक मजबूत लोकतंत्र की स्थापना करें।

तीरंदाजी प्रतियोगिता और मशाल रैली में युवाओं और शहरी नागरिकों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

» शत-प्रतिशत मतदान हेतु जनजागरूकता फैलाने के साथ सभी ने ली मतदान की शपथ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मतदाताओं को जागरुक करने जिले में अनोखा तरीका अपनाया गया। स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को मतदाताओं को जागरूक करने तीरंदाजी प्रतियोगिता तथा मशाल रैली का आयोजन किया गया। पीजी कॉलेज हॉकी स्टेडियम में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जहां कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर मतदान के प्रति प्रेरित किया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और हुनर का प्रदर्शन किया।

इसके साथ ही घड़ी चौक से मतदाता जागरूकता मशाल रैली का आयोजन किया गया। घड़ी चौक से शुरू होकर यह मशाल रैली गांधी चौक में समाप्त हुई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के नेतृत्व में मशाल रैली में बड़ी संख्या में युवा, बिहान की दीदियां और आम नागरिक शामिल रहे। इस दौरान मतदान जरूर करें के नारों से शहर गूंज उठा। हाथों में मशाल लेकर युवाओं ने लोगों को शत प्रतिशत मतदान हेतु जागरूक किया। गांधी चौक में मशाल रैली के समापन पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी को मतदान अवश्य करने की शपथ दिलाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आम सभा आज जिले में

» दतिमा के जंबूरी मैदान में संभाग भर के प्रत्याशी,कार्यकर्ता व आमजन रहेंगे उपस्थित

» भाजपा जिलाध्यक्ष ने आमसभा में लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील

- संवाददाता -
सूरजपुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 नवंबर को जिले के ग्राम दतिमा के जंबूरी मैदान में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में आम सभा को संबोधित करने पहुंच रहे हैं।उनके आगमन को लेकर जोरदार तैयारी की गई है।

भाजपा जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल बताया कि मंगलवार को जिले के दतिमा जंबूरी मैदान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में आम सभा को संबोधित करेंगे।भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता उनके आगमन को लेकर काफी उत्साहित है और उनके स्वागत के लिए जोरदार तैयारी की गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष अग्रवाल के मुताबिक जिले में मोदी जी का आगमन और उनका कार्यक्रम होना हम सब जिलेवासियों के लिए बड़े हर्ष व सौभाग्य का विषय है। इस अवसर पर संभाग के सरगुजा, कोरिया, मनेद्रगढ़ बलरामपुर,सूरजपुर जिले के 11 भाजपा प्रत्याशी व कार्यकर्ता,क्षेत्र की जनता उपस्थित रहेंगे। अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी की आमसभा सुबह 10:30 बजे होगी,लोगों से उन्होंने सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समय पूर्व सुबह 9 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की अपील की है।

भाजपा कांग्रेस दोनों ने अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया,दोनों के घोषणा पत्र में किसानों को ही साधने का प्रयास दिखा

भाजपा का घोषणा-पत्र अमित शाह ने जारी किया तो वहीं कांग्रेस का घोषणा पत्र कांग्रेस प्रदेश के प्रमुख स्थान से हुआ जारी

मृतक के अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी,कंडा देगी कांग्रेस सरकार पर बैकुंठपुर मे देवरहा समिति पहले से कराती थी उपलब्ध

जारी हुआ भाजपा कांग्रेस का घोषणा-पत्र,भाजपा 3100 तो कांग्रेस 3200 में खरीदेगी धान,भाजपा एक एकड़ में 21 क्विंटल तो कांग्रेस 20 क्विंटल की कर रही है खरीदी

भाजपा नही करेगी कर्जा माफ,कांग्रेस ने किया है कर्जमाफी का एलान

छत्तीसगढ विधानसभा का पूरा चुनाव सिर्फ किसानो तक सीमित

कांग्रेस जातिगत सर्वे भी कराने की घोषणा

सरकार भाजपा की आए या कांग्रेस की जलवे तो होंगे किसानों के!

-रवि सिंह-
कोरिया/सरगुजा,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ को धान का कटोरा कहा जाता है यहां की अधिकांश आबादी सिर्फ किसानी पर आधारित है, धान यहां की मुख्य फसल है, प्रदेश मे यह चुनावी समय है किसान अपने खेतो पर हैं और धान की फसल कटाई भी शुरू हो चुकी है, कांग्रेस से लेकर भाजपा का पूरा फोकस भी किसानो तक सीमित दिखलाई दे रहा है, दोनो दल किसानो को अपनी ओर आकर्षित करने में लगे हैं,भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी रविवार को चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है, जिसके अनुसार कांग्रेस ने भाजपा से आगे जाते हुए एक एकड़ में 20 क्विंटल के साथ 32 सौ रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी करने का ऐलान कर दिया है, कांग्रेस द्वार किसानो को साधने के लिए पहले ही कर्ज माफी की घोषणा की जा चुकी है, राजनांदगावं में चुनावी घोषणा पत्र जारी करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार बनने के बाद शहर से लेकर गांव तक मृतक के अंतिम संस्कार हेतु निःशुल्क लकड़ी व कंडा उपलब्ध कराया जाएगा जबकि बैकुंठपुर क्षेत्र में यह कार्य पहले से ही देवराहा सेवा समिति प्रेमाबाग द्वारा किया जा रहा है, जो कि कांग्रेस सरकार अपनाने जा रही है।

कर्जा माफी बड़ा मुद्दा,मिलेगा प्रत्याशियो का फायदा

कांग्रेस ने किसानो पर ध्यान रखते हुए कर्ज माफी की घोषणा भी की है, जबकि भाजपा ने इसे अपने घोषणा पत्र में शामिल नही किया है,जाहिर सी बात है कि प्रदेश में किसानो ने बड़ी मात्रा में कर्ज ले रखा है और यदि कांग्रेस की घोषणा पर किसानो ने विश्वास किया तो एक बार भूपेश सरकार बहुमत में आ सकती है। इस घोषणा का फायदा प्रत्याशियों को भी मिलेगा इसकी संभावना जताई जा रही है।

कांग्रेस ने शराब बंदी और अनियमित कर्मचारियों के मुद्दे से बनाई दूरी

वर्ष 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने जन घोषणा पत्र जारी किया था जिसमें गंगा जल हाथ में लेकर प्रदेश में शराब बंदी की बात भी कही गई थी लेकिन पूरे पांच वर्ष विपक्ष के द्वारा आवाज उठाये जाने के बाद भी कांगेस ने शराब बंदी नही की यह अब भाजपा के लिए चुनावी मुद्दा बना हुआ है, भाजपा नेता चुनावी मंच के माध्यम से कांग्रेस सरकार को शराब बंदी की बात पर घेर रहे है और कहा जा रहा है कि इनके द्वारा शराब बंदी की बात कही गई थी लेकिन इनक द्वारा गली मोहल्ले में शराब बेची जा रही है। इसके साथ ही कांग्रेस ने पिछली बार अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने का वादा भी किया था पूरे पांच वर्ष अनियमित कर्मचारियों ने इसे जोर शोर से उठाया खूब प्रदर्शन किया गया लेकिन उन्हे नियमित नही किया गया, एक बड़ा वर्ग इसे लेकर सरकार से नाराज है, कांग्रेस ने इस बार इस मुद्दे से दूरी बनाकर रखी है, इसका खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ सकता है। पिछले दिनों पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने सरकार बनने पर अनियमित कर्मचारियों का नियमित करने की बात कही थी।

भाजपा का घोषणा-पत्र अमित शाह ने किया था जारी

भाजपा का घोषणा पत्र विगत 3 नवंबर को देश के गृह मंत्री अमित शाह ने जारी किया था और इसे मोदी की गारंटी नाम दिया गया है,भाजपा ने अपने घोषणा पत्र के माध्यम से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी 3100 रूपये में,एक मुश्त भुगतान करने, बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने, भूमिहीन खेतीहर मजदूर को 10 हजार रूपये सालाना देने,दो वर्ष का बकाया धान खरीदी बोनस 300 रूपये प्रति क्विंटल देने की बात कही है। इसके साथ ही प्रत्ये विवाहित महिला को 12 हजार रूपये की वार्षिक वित्तीस सहायता,बीपीएल वर्ग की बालिकाओं के जन्म पर 1.5 लाख का आश्वासन प्रमाण पत्र,गरीब परिवार की महिलाओं को 5 सौ रूपये में गैस सिलेंडर,रेडी टू ईट योजना की जिम्मेदारी फिर से महिला स्व सहायता समूहो को देने की बात कही है। तेदूपत्ता संग्रहण 55 सौ रूपये प्रति मानक बोरा,तेदूपत्ता संग्रहण मौजूदा दिनों से बढाकर 15 दिनो तक, तेंदूपत्ता संग्राहको को 45 सौ रूपये बोनस,चरण पादुका एवं अन्य योजना पुनःप्रदान करने और 5 लाख वन अधिकार पट्टो का वितरण करने की घोषणा की है। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास का निर्माण पूरा करने, 2 साल के अंदर प्रत्येक घर में निर्मल जल पहुंचाने,चार धाम परियोजना की तर्ज पर पांच शक्तिपीठो के लिए 1000 किमी परियोजना की बात कही गई है। 1.5 लाख बेराजगारों की भर्ती पंचायत स्तर पर तुंहर द्वारा सार्वजनिक सेवा शुरू करने,निवेश आमंत्रण हेतु वार्षिक वैश्विक स्तरीय सम्मेलन,हर संभाग में एम्स की तर्ज पर छत्तीसगढ इंस्टिटयूट आफ मेडिकल सांइस एवं हर लोकसभा क्षेत्र में आईआईटी की तर्ज पर छत्तीसगढ इंस्टिटयूट आफ टेक्नोलाजी की स्थापना करने की बात कही है। इसके साथ ही प्रदेशवासियों को अयोध्या श्रीराम लाल दर्शन कराने की घोषणा भी भाजपा ने कही है। भष्टाचार जीरो टालरेंस नीति बनाने, कालेज जाने हेतु छात्राओं को डीबीटी से मासिक ट्रेवल एलांउस देने,10 लाख तक मुफत उपचार,500 नए जन औषणी केन्द्र खोलने,यूपीएससी की तर्ज पर पीएससी की परीक्षा आयोजित करने एवं घोटालो की जांच कराने,युवाओं को 50 प्रतिशत सब्सिडी के साथ ब्याज मुक्त ऋष्ण देने, रायपुर, नया रायपुर, दुर्ग और भिलाई नगर के विकास हेतु दिल्ली,एनसीआर की तर्ज पर स्टेट केपीटल रिजन की स्थापना की बात कही गई है।

कांग्रेस ने प्रदेश के प्रमुख स्थानो से किया जारी

रविवार को कांग्रेस के नेताओं ने प्रदेश के अलग क्षेत्रो से घोषणा पत्र जारी किया है, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजनांदगांव, प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने रायपुर, स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने अंबिकापुर से कांग्रेस का घोषणा जनता के बीच रखा। कांग्रेस ने जारी घोषणा पत्र में धान का समर्थन मूल्य 3200 रूपये प्रति क्विंटल,तेंदूपत्ता संग्राहको को 6000 प्रति मानक बोरा एवं सलाना 4000 रूपये बोनस,सिलेंडर पर 500 रूपये की सब्सिडी सीधे महिलाओं के खाते में,अभी से शुरू हो चुकी प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान की खरीदी करने, 200 यूनिट बिजली सभी को मुफत, 17.5 लाख गरीबो को आवास,लघु वनोपजो पर एमएसपी के अलावा 10 रूपये प्रति किलो, भूमिहीनो को 7 हजार के स्थान पर 10000 रूपये प्रतिवर्ष, 10 लाख तक मुफत ईलाज, सभी सरकारी स्कूलो को आत्मानंद बनाने, तिवरा भी समर्थन मूल्य पर खरीदी करने, युवाओ को उद्योग व्यवसाय ऋष्ण में 50 प्रतिशत सब्सिडी, दुर्घटना में निःशुल्क ईलाज, अंत्येष्टि के लिए लकड़ी का प्रबंध, प्रदेश में 700 नए रीपा का निर्माण एवं परिवहन व्यवसायियों के कर्ज माफी की बात कही है। ज्ञात हो कि कांग्रेस ने उक्त घोषणा के पहले ही किसानो का कर्जा माफ करने की घोषणा कर दी है जिसका असर ग्रामीण क्षेत्र मे देखने को मिल रहा है।

सरकारी भर्तियों पर कांग्रेस की चुप्पी

भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में 1.5 लाख युवाओ से भर्ती करने का वादा किया है लेकिन कांग्रेस ने इस बार भर्तियों को लेकर कही कोई जिक्र नही किया है, इसे लेकर भी एक सवाल युवाओ के बीच उठ रहा है। प्रदेश में पिछले पांच वर्ष में कई शासकीय विभाग में भर्तियां हुई है। लेकिन पीएससी एंव अन्य परीक्षाओं में हुए भ्रष्टाचार की बात भी सामने आ रही है जिसे लेकर प्रदेश का युवा वर्ग कांग्रेस के खिलाफ आक्रोशित है,इसका असर चुनाव पर कितना पड़ेगा यह देखने वाली बात होगी।

किसानो को लेकर पूरा फोकस

चुनाव पूर्व कांग्रेस व भाजपा ने घोषणा पत्र जारी किया है जिसे देखकर स्पष्ट है कि छत्तीसगढ का पूरा चुनाव दोनो प्रमुख पार्टियां किसानो को ध्यान में ही रखकर लड़ रही हैं। किस पार्टी की घोषणा से किसान ज्यादा प्रभावित होते हैं यह देखने वाली बात होगी।

मतदाताओं से मांगा समर्थन,आमसभा से स्थानीय मुद्दों पर कांग्रेस विधायक पर जमकर बरसे

भाजपा प्रत्याशी भईयालाल राजवाड़े के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

रविवार को भाजपा कोरिया द्वारा बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी भईया लाल राजवाड़े का रोड शो रैली निकाली गई।रैली प्रेमाबाग से शुरू कर ओढ़गी नाका तक मुख्य शहर के बीच और सड़क मार्ग पर निकाली गई।रोड सो के माध्यम से भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल,जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े के द्वारा भाजपा प्रत्याशी भईया लाल राजवाड़े के लिए आमजन से समर्थन की अपील की गई। सैकड़ों बाईक सहित पैदल यात्रा कर बैकुंठपुर शहर की आम जनता, ब्यवसायी मतदाताओं से जनसंपर्क कर भईया लाल राजवाड़े के लिए समर्थन मांगा।

बरसे भईया लाल तो गरजे शैलेश शिवहरे

घड़ी चौक में आयोजित भाजपा की आमसभा से भाजपा कोरिया जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे ने कांग्रेस की स्थानीय विधायक अंबिका सिंहदेव पर निशाना साधते हुए आमजन को अवगत कराया की बैकुंठपुर विधानसभा के वर्तमान विधायक की करतूत की वजह से आज कोरिया जिला तोड़ा गया है साथ ही भूपेश बघेल द्वारा अन्याय पूर्ण विभाजन करके पूरे शहर और जिले के विकास को विनाश की ओर धकेल दिया गया है।आज हर आम जन और व्यापारी बैकुंठपुर की इस तबाही से त्रस्त है।शैलेश शिवहरे ने आमसभा से आमजन तक अपील करते हुए कहा की हमे बैकुंठपुर शहर और कोरिया जिले के विकास की पुनः बहाली के लिए भाजपा प्रत्याशी भईया लाल राजवाड़े को अपना समर्थन देकर छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनानी है।आमसभा में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े ने भाजपा और मोदी की गारंटी 2023 बावत जारी घोषणा पत्र के बिंदुओं से आमजन को अवगत कराते हुए भाजपा प्रत्याशी भईया लाल राजवाड़े और भाजपा के समर्थन में बैकुंठपुर की जनता से समर्थन का अपील किया।आमसभा से स्थानीय मुद्दों को लेकर वर्तमान विधायक पर जमकर बरसे भईया लाल, कहा की याद कीजिए 5 साल पहले के कोरिया जिले को, इस जिले का एक एक रहवासी स्वतंत्र व्यवसाय और अपनी तरक्की गढ़ रहा था परंतु इस अंबिका दीदी ने पूरे जिले का सत्यानाश कर दिया है।आज हर वर्ग परेशान और पीड़ित है। भईया लाल ने कहा की अधिकारी कर्मचारी और इनके दलालों की सांठगांठ से जिले का विकास गर्त में चला गया है।जिले का डायलिसिस और सिटी स्कैन केंद्र की भाजपा सरकार और एसईसीएल के सी एस आर मद के माध्यम से संपन्न हुआ है।रोड सो और आमसभा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित की गई जिसमे मुख्य रूप से पूर्व मंत्री भईया लाल राजवाड़े, विधानसभा प्रभारी चिंटू राजपाल,बिहार राज्य के पूर्व भाजपा सह संगठन मंत्री कामेश्वर प्रसाद सिंह,विधानसभा विस्तारक विश्वनाथ साहू,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े, संवाद प्रमुख विमल गुप्ता,भानू पाल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हितेश प्रताप सिंह, युवा मोर्चा जिला महामंत्री कुणाल जायसवाल, चंदन राजवाड़े, सहित भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े, बैकुंठपुर नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, पार्षद रीमा जायसवाल, पार्षद सिल्फा गुप्ता, पार्षद ममता गोयल, जिला कार्यालय मंत्री सविता मिश्रा, सरिता शिवहरे, वेगमति चिकंजूरी, रीता यादव सहित भाजपाई उपस्थित रहे।

युवा और उच्च शिक्षित होना जनता को पसंद आ रहा

सीमित संसाधन में बड़ी लड़ाई की तैयारी आम आदमी पार्टी की | आम आदमी पार्टी को बैकुंठपुर विधानसभा में हल्के में लेना कहीं भाजपा और कांग्रेस की भूल तो नहीं

पहले चुनाव में मामला रहता था दोतरफा,परंतु इस बार बैकुंठपुर विधानसभा में मामला हुआ चौतरफा

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पहली बार पूरे दमखम के साथ आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ रही है। चुनाव पूर्व इस पार्टी के बड़े नेताओं ने कई दौरा छत्तीसगढ़ में किया, कई सभाओं का आयोजन किया। वर्तमान में भी आम आदमी पार्टी के बड़े नेता पूरी तरह सक्रिय हैं। प्रदेश में चुनाव पूर्व सबसे पहले अपने वादों का पिटारा खोलने वाली भी आम आदमी पार्टी ही थी। और भाजपा कांग्रेस से पहले ही आम आदमी पार्टी ने सबसे पहले अपने प्रत्याशियों के पत्ते खोले थे। प्रत्याशी चयन में भी शिक्षित युवाओं और बेदाग चेहरों को ध्यान में रखकर टिकट वितरण किया। बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर आकाश जायसवाल ने लगभग साल भर पहले ही अपनी तैयारी प्रारंभ कर दी थी। बतौर प्रत्याशी टिकट फाइनल होने के पश्चात अब वे पूरे जोर शोर से प्रचार प्रसार और सघन जनसंपर्क में लगे हुए हैं। देखा यह जा रहा है कि युवा और शिक्षित होना उनके काफी काम आ रहा है। और जनसंपर्क के दौरान उन्हें जनता का अच्छा प्रतिसाद भी मिल रहा है। सादगीपूर्ण तरीके से सीमित संसाधन में पुरजोर तरीके से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर आकाश जायसवाल मैदान में है।

आम आदमी पार्टी को बैकुंठपुर विधानसभा में हल्के में लेना कहीं भाजपा और कांग्रेस की भूल तो नहीं

अभी तक होने वाले चुनाव में मामला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच दो तरफा रहा करता था। इसी बीच अपनी जातिगत समीकरणों के माध्यम से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते आई है। परंतु शुन्य से शुरुआत करने वाली आम आदमी पार्टी के जोर-शोर से बैकुंठपुर विधानसभा का मामला अब इस चुनाव में पेचीदा हो चला है। जिस जोश और ऊर्जा के साथ आम आदमी पार्टी अपनी युवाओं के टीम के साथ लोगों को साधने में लगी है। कहीं ना कहीं अन्य पार्टियों के लिए यह चिंता का विषय है। ऐसे में दोनों स्थापित पार्टीयां भाजपा और कांग्रेस, द्वारा आम आदमी पार्टी को हल्के में लेना कहीं उनके लिए मुसीबत का सबब ना बन जाए। यह बात जन चर्चा का विषय है जहां से ऐसे तथ्य निकलकर सामने आ रहे हैं।

क्या बैकुंठपुर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी पड़े अकेले...संगठन अपना ही राग अलाप रहा ?, कोरिया में भाजपा संगठन नहीं कर पा रहा प्रत्याशी के लिए सही ढंग से काम

भूपेश बघेल से प्रभावित है जनता

क्या भूपेश की मजबूरी में देगी अम्बिका का साथ ?

जिलाध्यक्ष चला रहे परिवारवाद पत्नी अंजली जायसवाल को बनाया था जिला कार्यकारणी सदस्य,वह भी अभी तक नही दिखी प्रचार अभियान में

- ♦ जंबो भाजपा जिला कार्यकारणी के अधिकांश सदस्य भी नही हैं चुनावी मैदान में
- ♦ कई मोर्चा,प्रकोष्ठ के माध्यम से सैकड़ों लोगों की कार्यकारणी सिर्फ कागज में बनी है:सूत्र
- ♦ क्या सिर्फ खानापूर्ति किया गया था कार्यकारणी बनाने में या जिलाध्यक्ष की कार्यशैली के कारण अधिकांश पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता नही आ रहे नजर ?
- ♦ अलग थलग नजर आ रहे भाजपा नेता, प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े भी जनसंपर्क में अकेले दिखलाई दे रहे हैं
- ♦ बाहर से आने वाले नेताओ को भी जिलाध्यक्ष नही दे रहे तवज्जो,हुई है शिकायत:सूत्र
- ♦ बैनर पोस्टर से लेकर सोशल मीडिया पोस्ट में भी दिख रहा जिलाध्यक्ष का हस्तक्षेप
- ♦ क्या सिर्फ रेवा यादव की टीम दिला पायेगी जीत...लोगो ने दिखाया 25 हजार से जीतने का सपना

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर में भाजपा प्रत्याशी भैया लाल राजवाड़े अकेले पड़ गए हैं अकेले के दम पर ही वह चुनाव मैदान में देखे जा रहे हैं और यदि जीत मिलती भी है तो उन्हें अकेले के दम पर मिलेगी संगठन का काम बिल्कुल भी प्रत्याशी को जीत दिलाने में या मजबूती प्रदान करने में नहीं दिख रहा, यही वजह है कि भाजपा प्रत्याशी अकेले ही क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं और सभी के पास जाकर निवेदन व विनती कर रहे हैं और अपने पक्ष में मतदान करने की गुहार लगा रहे हैं पर वही संगठन के मुखिया सिर्फ झूठी वाह-वाही ही लेने में परेशान है। कुछ नेता जो विधायक का खाब देखे बैठे हैं वह भी चाह रहे हैं की प्रत्यासी को हर का सामना करना पड़े ताकि अगले बार उनका नंबर लग सके उनका यह सोचना है कि यदि इस पर प्रत्याशी जीत गया तो अगले बार भी उनका नंबर नहीं लगेगा और वह कहीं ना कहीं अपने किसी परिवार के सदस्य को मौका दिला देंगे। यही वजह है कि काम किसी और प्रत्याशी का कर रहे हैं पर उनका ध्यान बैकुंठपुर के प्रत्याशी को हराने में है।

बैकुंठपुर में भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के बहाने भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा खुद का प्रचार प्रचार किया जा रहा है ऐसा देखने को मिलता है,यदि भाजपा प्रत्याशी के पोस्टर बैनरो पर नजर डाला जाए तो यह बात स्पष्ट तौर पर देखने को मिल रहा है। जबकि दूसरे विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी का चेहरा ही जनता के सामने पोस्टरो मे नजर आ रहा है,जिलाध्यक्ष द्वारा लोकसभा में खुद को प्रत्याशी के तौर पर पेश करने की बात भी सामने आ रही है,और इसी बहाने उनके द्वारा खुद का प्रचार किया जा रहा है। ऐसा पार्टी के कार्यकर्ताओं का ही मानना है। जिलाध्यक्ष लोकसभा चुनाव लड़ने का सपना देख रहे हैं।

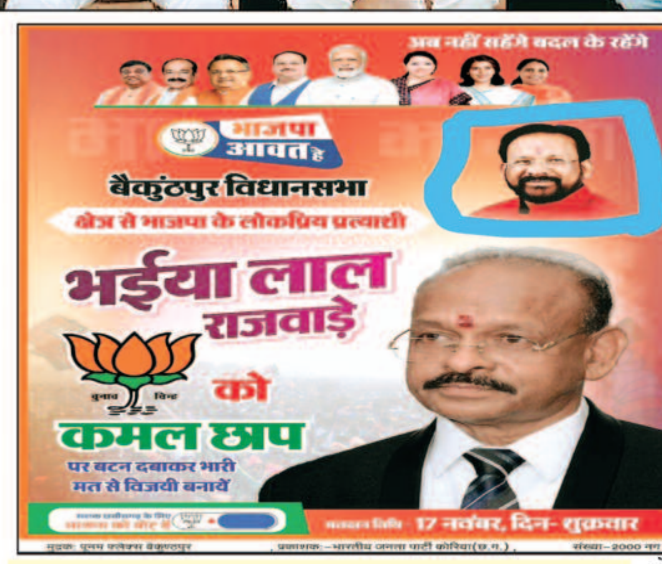

सक्रिय हुए शैलेश शिवहरे कितना पड़ेगा असर

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे इस बार टिकट की दौड़ में भी शामिल थे, उनको अंतिम तक टिकट मिलने का उम्मीद था,कई महीने से वे तैयारी कर रहे थे और ग्रामीणो से संपर्क कर रहे थे,लेकिन टिकट भैयालाल राजवाड़े को ही दी गई,जिसके बाद लग रहा था कि शैलेश शिवहरे इस बार काम नही करेंगे लेकिन उनकी सक्रियता चुनावी मंचो में देखी जा रही है। बैकुंठपुर मे उनकी पहचान एक बड़े भाजपा नेता के तौर पर है उनके काम करने का असर निश्चित ही चुनाव पर पड़ेगा ऐसा लोगो का मानना है।

क्या सिर्फ पूर्व प्रतिनिधि दिला पांएगे जीत,लोगो ने दिखाया है भारी मतो से जीतने का सपना ?

भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के लिए उनके पूर्व प्रतिनिधी रेवा यादव सक्रिय रूप से काम रहे हैं,होटल व्यवसायी होने के बाद भी वे व्यवसाय छोड़कर ग्रामीण क्षेत्र में मेहनत कर रहे है,लेकिन उनका अकेले मेहनत करना क्या भैयालाल राजवाड़े को जीत दिला पाएगा यह एक विचारणीय प्रश्न है। सूत्रो का कहना है कि कुछ समर्थको ने भैयालाल राजवाड़े को 25 हजार से जीत का सपना दिखा कर ओवर कांफीडेंस मे लाकर खड़ा कर दिया है जबकि मुकाबला पिछली बार की तरह कांटे का है।

बैकुंठपुर में निकाली रैली,अनेक भाजपा पदाधिकारी रहे नदारद

भाजपा संगठन की कमजोरी का ही आलम है कि रविवार को भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के द्वारा बैकुंठपुर में रैली निकाली गई थी,भैयालाल राजवाड़े रथ में जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल एवं जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे के साथ सवार थे, कुछ और कार्यकर्ता भी रथ मे सवार थे। रैली प्रेमाबाग परिसर से निकाली गई जो कि बस स्टैंड से होकर कुमार चैक व ओड़गी नाका तक गई उक्त रैली में भी बैकुंठपुर के कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता नदारद थे, कई महिला कार्यकर्ता पदाधिकारी तो थीं लेकिन एक बार पुनः जिलाध्यक्ष की पत्नी गैर मौजूद रहीं जिससे सवाल खड़ा होता है कि क्या जिलाध्यक्ष ने सिर्फ परिवार वाद के कारण उनको पद दिया था।

खल रही विजय राजवाड़े की कमी कैसे होगी पूरी

भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े पांचवी बार विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं,संगठन हर बार उनके चुनाव में अपेक्षाकृत खरा नही उतरता है। लेकिन भैयालाल राजवाड़े के लिए मजबूती से उनके पुत्र विजय राजवाड़े के द्वारा काम किया जाता था,गत वर्ष बीमारी के कारण विजय राजवाड़े का निधन हो चुका है, जिसकी कमी भी भैयालाल राजवाड़े एवं उनके समर्थको को कहीं ना कहीं महसूस होता है। अपने दो पुत्रों को खोने की कमी का एहसास भी भैयालाल राजवाड़े द्वारा कराया जाता है, भैयालाल राजवाड़े ने अपने दो पुत्रो विजय राजवाडे एवं अजय राजवाडे को खो दिया हैं, जनता का समर्थन देखकर वे अपने दिवंगत पुत्रो को याद कर भावुक भी हो जाते हैं।

भाजपा संगठन नही कर पा रहा प्रत्याशी के लिए ठीक ढंग से काम

भाजपा का संगठन प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के लिए ठीक ढंग से काम नही कर पा रहा है,बतलाया जा रहा है कि भाजपा को जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने अपने पुत्रों के साथ हाईजैक कर लिया है जिससे कि कई पदाधिकारी काम करने नही आ रहे हैं,पटना क्षेत्र के कार्यकर्ता अखिलेश गुप्ता ने भी जिलाध्यक्ष पर प्रायवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए पिछलो दिनों इस्तीफा दे दिया है और गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लिया है।

जिलाध्यक्ष पर लगा था परिवारवाद का आरोप,पत्नी जिला कार्यकारणी सदस्य तो पुत्र है युवा मोर्चा का जिला महामंत्री,भाजपा के किसी कार्यक्रम में नही आई नजर

भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल पर परिवार वाद का आरोप भी लग चुका है,भाई विपिन बिहारी जायसवाल ने भी उन पर संगठन को लेकर पूर्व में आरोप लगाया था,विपिन जायसवाल की पार्टी कार्यक्रम में गैर मौजूदगी भी जिलाध्यक्ष के कारण ही है, ऐसा बतलाया जाता है। जिलाध्यक्ष द्वारा पत्नी को जिला कार्यकारणी सदस्य बनाया गया है,जबकि पुत्र को भारतीय जनता युवा मोर्चा का जिला महामंत्री बनवा कर युवा मोर्चा को अपने काबू में किया गया है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि जिलाध्यक्ष ने परिवार वाद चलाकर पत्नी को पद तो दे दिया लेकिन पार्टी कार्यक्रम से लेकर वर्तमान चुनावी समय में भी वह सक्रिय नही है।

जंबो जिला कार्यकारणी के अधिकांश सदस्य व मोर्चा प्रकोष्ठ के सदस्य भी नही आ रहे नजर

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यकारणी मे कई लोगो को शामिल किया था इसके साथ ही मंडल स्तर पर भी टीम बनाई गई थी,भाजपा में अनेक मोर्चा व प्रकोष्ट के माध्यम से भी कार्यकारणी बनाई गई है लेकिन विधानसभा चुनाव के दौरान ऐसी टीम कही नजर नही आ रही है,भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठको में भी गिनती के लोगो की मौजूदगी रहती है,भाजपा जिला टीम से लेकर मंडल व मोर्चा,प्रकोष्ट के चयनित पदाधिकारियों का चुनाव मे हिस्सा ना लेना भी आश्चर्यजनक है। पार्टी के कुछ नेताओ की माने तो जिलाध्यक्ष की कार्यशैली के कारण भी नाराजगी कार्यकर्ताओं में है जिसका असर चुनाव मे देखने को मिल रहा है, जिलाध्यक्ष द्वारा कार्यकर्ताओ को फटकार लगाना व अपशब्द बोलना अब भाजपा प्रत्याशी के लिए हानिकारक हो रहा है।

प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े भी जनसंपर्क में अकेले दिखलाई दे रहे

भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े को उनके फेसबुक पेज के माध्यम से सक्रिय देखा जा रहा है,हर जगह वे देर रात तक संपर्क कर रहे हैं जनता को उनका समर्थन भी मिल रहा है,कुछ जगह पर वे ही लोग साथ दिखलाई दे रहे हैं जिनके कारण जनता आक्रोशित थी। यही गलती उन्हे भारी ना पड़ जाए। पटना क्षेत्र के दौरे में मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल की सक्रियता देखने को मिली थी जबकि अन्य क्षेत्रो में उनकी सभांए अकेले ही हो रही है,कई बड़े नेता ग्रामीण क्षेत्रो से दूरी बनाकर रखे हुए हैं।

क्या जनाधार विहीन भाजपा जिलाध्यक्ष ने दिलाई है भैयालाल को टिकट ?

भाजपा जिलाध्यक्ष की कार्यशैली कार्यकर्ताओ से लेकर पदाधिकारियों को तक पसंद नही है,भैयालाल राजवाड़े को टिकट मिलने के बाद से लेकर कई बार जिलाध्यक्ष ने टिकट दिलाने में श्रेय लेने की कोशिश भी की है,ऐसी चर्चा भी है कि यदि भैयालाल राजवाड़े को जीत मिलती है तो इसका श्रेय लेने भी जिलाध्यक्ष आगे रहेंगे जबकि हार का ठीकरा किसी अन्य पर फोड़ दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष सिर्फ कहीं कहीं प्रत्याशी के साथ दौरा कर खानापूर्ति कर खुद को व्यस्त साबित कर रहे हैं,जबकि उनका काम हर क्षेत्र का दौरा कर संगठन पदाधिकारी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौपना होता है। जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल की पहचान एक जनाधार विहीनी भाजपा नेता के रूप में की जाती है,यही कारण है कि चुनावी राजनीति में उनकी पत्नी व पुत्र को हार का सामना करना पड़ा है। बतलाया जाता है कि जिलाध्यक्ष की हवा हवाई बाते कार्यकर्ताओ को रास नही आती है, लेकिन मजबूरी वश कुछ कार्यकर्ता काम रहे हैं, जिलाध्यक्ष के कार्यशैली की शिकायत प्रदेश स्तर पर भी की गई है ऐसा सूत्रो का कहना है।

कन्या कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

-संवाददाता-
वाड्रफनगर,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में चल रहे कन्या कौशल विकास प्रशिक्षण शिविरों की श्रृंखला में दिनांक 5 नवंबर 2023 को बलरामपुर जिला के वाड्रफ नगर तहसील के अंतर्गत ग्राम पशुपतिपुर मिथिलापुर के गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित ग्राम पशुपतिपुर में एक दिवसीय कन्या कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया। शिविर में कक्षा 6वीं से कॉलेज तक के 86 छात्राओं ने भाग लिया।इस शिविर में स्वास्थ्य संवर्धन ,कुरीति उन्मूलन, नारी सशक्तिकरण, स्वावलंबन,आत्म संरक्षणों, नैतिक शिक्षा जैसे अनेक विषयों पर प्रकाश डालते हुए गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्रीमती आशा दीदी एवं श्री अम्बुज कुमार यादव जी के द्वारा बड़े ही प्रभावशाली ढंग से प्रशिक्षण संपन कराया और अभिमन्यु पटेल , अवधेश यादव, द्वारिका प्रसाद पटेल ,सूरज गुप्ता ,जितेंद्र यादव ,श्रवण गुप्ता सहित दर्जनों गायत्री परिवार के कार्यकर्ता सक्रिय रहें ।

मतदान दिवस और मतदाता के एक दिन पहले

-संवाददाता-
कोरबा,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा आम निर्वाचन-2023 में इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के साथ ही प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन को रोकने के संबंध में व्यापक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत मतदान दिवस और उसके एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण आवश्यक है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जारी परिपत्र के अनुसार छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदान दिवस यानि दूसरे चरण के मतदान के एक दिन पहले एवं मतदान दिवस यानि 16 नवम्बर और 17 नवंबर को प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के प्रकाशन के पूर्व जिला अथवा राज्य स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति से विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन अनिवार्य किया गया है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य स्तरीय तथा जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति को प्रमाणन हेतु प्राप्त आवेदन पर त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।

विधानसभा प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री ननकीराम ने घोषणा-पत्र को कहा सर्वोपरि

-संवाददाता-
कोरबा,06 नवम्बर 2023(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की ओर से जारी किए गए घोषणा पत्र मोदी गारंटी योजना को लेकर रामपुर प्रत्याशी ननकीराम ने भाजपा कार्यलय में प्रेसवार्ता ली। इस दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने जारी किए जन घोषणा पत्र में गांव, गरीब, किसान, महिला,युवा और बच्चों के चहुंमुखी विकास और प्रदेश को समृद्ध छत्तीसगढ़ बनाने के उद्देश्य से यह घोषणा पत्र तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि घोषणा पत्र बनाने के लिए प्रदेश के 90 विधानसभा स्तर

में आम जनता के समीप पहुंचकर, उनके मन के बात को एकत्रित कर घोषणा पत्र बनाया गया है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है। किसानों के 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान को 31 सौ रुपए की दर से खरीदे जाएंगे, ताकि उनको आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न बनाया जा सके। बीजेपी का घोषणापत्र जिसे 'मोदी की गारंटी 2023' नाम दिया गया है के अंतर्गत घोषणा पत्र में हर परिवार को 10 लाख तक मुफ्त उपचार का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा । 500 नए जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे । 50 प्रतिशत सब्सिडी के साथ ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा, साथ ही गरीब महिलाओं के लिए 500 रुपये में गैस सिलेंडर सब्सिडी दिया जाएगा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी का रिकॉर्ड है कि घोषणा पत्र सिर्फ घोषणा पत्र नहीं, एक संकल्प है जिसे भाजपा सरकार ने सदैव पूरा किया है । उन्होंने कहा के भाजपा ने छत्तीसगढ़ को बनाया था, क्योंकि वो हमारा संकल्प था साथ ही 15 साल तक भाजपा ने छत्तीसगढ़ की सरकार भी चलाया। अभी 05 साल कांग्रेस की सरकार रही पर इन पांच सालों में कांग्रेस ने प्रदेश को फिर बीस साल पीछे धकेल दिया है ,जिसके चलते अब प्रदेश की जनता एक बार फिर बदलाव चाहते हुए प्रदेश में भाजपा की सरकार देखना चाहती है,जिसका परिणाम यह होगा के कोरबा के चारो विधानसभा सीट भाजपा के झोली में आ रही है । प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह,पूर्व महापौर जोगेश लांबा , अशोक चावलानी,कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

49 समितियों में धान खरीदी का कार्य हुआ प्रारंभ

-संवाददाता-
कोरबा,06 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के बीच 01 नवंबर से प्रदेश के साथ कोरबा जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का काम शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक राजस्व देने वाले औद्योगिक जिले कोरबा में कृषि क्षेत्र 69424 हेक्टेयर है। वर्ष 2023-24 में कुल 50912 किसानों ने खरीफ की धान फसल का विक्रय करने के लिए अपना पंजीकरण कराया है। जबकि 689 किसानों का पंजीकरण पिछली सूची से निरस्त किया गया है। स्पष्ट किया गया है कि किसानों से प्रति क्विंटल धान की खरीदी अधिकतम 2203 रुपए की दर पर ही की जाएगी। चुनाव के सीजन में कई प्रकार के दावे धान खरीदी के मामले में राजनीतिक दल द्वारा किए जा रहे हैं। किसानों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए यह दांव-पेंच खेला जा रहा है द्ब इन सबसे अलग सरकारी व्यवस्था और नीति नियामक तत्वों के अंतर्गत तय किये गए समर्थन मूल्य के अंतर्गत फिलहाल धान की खरीदी कोरबा जिले की समितियां कर रही है।

दो महीने तक चलने वाली धान की खरीदी इसी दर पर की जाएगी। खबर के मुताबिक स्वर्णा (मोटा) धान के लिए 2183 रुपए प्रति क्विंटल की दर केंद्र सरकार ने तय की है। जबकि पतले धान के लिए प्रति क्विंटल की राशि 2203 रुपए है। न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देश के उन सभी राज्यों के मामले में धान की फसल के लिए यही दरें प्रभावशील है। अन्य खाद्यान्नों के मामले में राशि का निर्धारण भिन्न है। बताया गया कि केंद्र की ओर से जो समर्थन मूल्य धान खरीदी के लिए तय किया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए फिलहाल उक्तानुसार किसानों से धान प्राप्त की जाएगी। स्थानीय स्तर पर पंजीकृत किसान 49 समितियों के अंतर्गत तय किये गए। उपार्जन केंद्रों में अपने खेतों में उत्पादित और सत्यापित धान बेच सकेंगे। मौजूदा व्यवस्था में इस बात को भी स्पष्ट किया गया है कि राजस्व विभाग के द्वारा धान लगाने से पहले जो गिरदावरी कराई गई, उसके हिसाब से एक एकड़ में 20 क्विंटल धान ली जानी है। जबकि जिस मामले में किसानों के कृषि रकबे को कम सत्यापित किया गया है, खरीदी का अनुपात वही होगा। किसानों को प्रभावित करने के लिए अबकी बार राजनीतिक दलों ने नया पैतरा चलाया है। प्रदेश के सभी जिलों में किसानों की पर्याप्त संख्या को ध्यान में रखते हुए उन्हें अपनी तरफ खींचने की कोशिश की जा रही है। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने सबसे पहले घोषणा पत्र जारी करने के साथ किसानों को प्रति क्विंटल के पीछे 3100 रुपए समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ पर 21 क्विंटल की खरीदी की बात कही , जबकि कांग्रेस ने रविवार को जारी घोषणा पत्र में समर्थन मूल्य 3200 रुपए देने का ऐलान किया। लेकिन वह 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदने की बात कर रही है। इन दोनों प्रमुख दलों से अलग हटकर दिल्ली और पंजाब में सत्ता संभाल रही आम आदमी पार्टी ने सबसे ज्यादा 3600 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने की घोषणा की।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. .../अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गणेश राय आ0 डोमु राय जाति भूमिहार निवासी खटीकपारा नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 522/28 रकबा 0.027 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा, नक्शा,रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 19/11/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपतित पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

इंडिया-पाक के बीच होगा वर्ल्ड कप सेमीफाइनल ?

नई दिल्ली,06 नवम्बर 2023। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय टीम का दमदार अभियान जारी है। लगातार 8 जीत के साथ भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। साथ ही वो पॉइंट्स टेबल में टॉप पर काबिज है। भारत ने अपने पिछले मैच में रविवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में साउथ अफ्रीका को 243 रन से रौंद दिया।

अब फैंस के मन में सवाल ये उठा रहा है कि सेमीफाइनल में टीम इंडिया की भिड़ंत किससे हो सकती है क्या वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में पाकिस्तान से भिड़ंत हो सकती है?

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के पहले सेमीफाइनल में पॉइंट्स टेबल की टॉप टीम और चौथी टीम के बीच मुंबई के वानखेड़े में भिड़ंत होगी। भारत का पॉइंट्स टेबल में टॉप रहना पक्का है यानी अब चौथे नंबर पर जो भी टीम होगी भारत की उसी से भिड़ंत होगी।

अभी भारत के अलावा केवल साउथ अफ्रीका ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की है। सेमीफाइनल की तीसरी और चौथी टीम के लिए फिलहाल ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच कड़ी टक्कर है।

न्यूजीलैंड अपना आखिरी मैच 9 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी, जबकि पाकिस्तान अपना आखिरी मैच 11 नवंबर को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगा।

अगर न्यूजीलैंड की टीम श्रीलंका के खिलाफ अपना आखिरी मैच हार जाती है और पाकिस्तान अपने आखिरी ग्रुप मैच में इंग्लैंड को पराजय कर देते है तो पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने के रास्ते खुल जाएंगे। साथ ही अगर न्यूजीलैंड का श्रीलंका के साथ मैच धुल जाता है तब भी उसी को फायदा होगा।

इसका मतलब है कि, न्यूजीलैंड की हार या बारिश के कारण मैच धुल जाना और पाकिस्तान के इंग्लैंड को हराने से पाकिस्तान सेमीफाइनल की चौथी टीम के रूप में जगह पक्की कर सकता है। अगर ऐसा हुआ तो 15 नवंबर को वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में भारत बनाम पाकिस्तान की भिड़ंत तय हो सकती है।

हालांकि अफगानिस्तान भी सेमीफाइनल की रेस में बना हुआ है। उसने अपने 7 मैचों में 4 जीते हैं इसलिए 8 अंकों के साथ वो सेमीफाइनल की रेस में बना हुआ है। लेकिन इसके लिए अफगानिस्तान को अपने बाकी बचे दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका को हराना होगा। जोकि बिलकुल भी आसान नहीं है। अगर अफगानिस्तान ऐसा कर पाया तो वह न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को पछाड़कर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा।

मिजोरम के खिलाफ तुषार ने जड़ा शतक

राजकोट,06 नवम्बर 2023। राजकोट के एससीए स्टेडियम में खेले गए बीसीसीआई पुरुष अंडर-23 वनडे में तुषार रहेजा के शतक की बदौलत तमिलनाडु ने मिजोरम को 290 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, तमिलनाडु ने 50 ओवरों में 403/4 का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें रहेजा ने सर्वाधिक (164) रन बनाए। जवाब में मिजोरम की टीम 47 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई, जिसमें प्रदोष रंजन पॉल ने सिर्फ 22 रन देकर तीन विकेट लिए। संक्षिप्त स्कोरः तमिलनाडु 50 ओवर में 403/4 (आर विमल खुमार 82, तुषार रहेजा 164, एम बूपति वैष्ण कुमार 79) बनाम मिजोरम 47 ओवर में 113 (साहिल रेजा 51, प्रदोष रंजन पॉल 3/22)।

तमिलनाडु की महिलाएं हार गई

क्लिनिकल गेंदबाजी प्रदर्शन ने उत्तर प्रदेश को रांची के जेएससीए ओवल मैदान में खेले गए बीसीसीआई अंडर -19 महिला टी 20 टूर्नामेंट में तमिलनाडु को दो रनों से हराने में मदद की। 105 रनों का पीछा करते हुए, तमिलनाडु करीब आ गया, हालांकि, यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि यूपी के गेंदबाजों ने जीत हासिल करने के लिए अपना हौसला बनाए रखा। संक्षिप्त स्कोरः 20 ओवर में यूपी 104/7 (सम्पदा दीक्षित 60) बीटी 20 ओवर में टीएन 102/8 (बीजी जयश्री 30, कुशवाह 2/13, अरेला 2/18)।

वर्ल्डकप में खराब प्रदर्शन पर गिरी गाज

सरकार ने पूरे क्रिकेट बोर्ड को ही किया बर्खास्त

नई दिल्ली,06 नवम्बर 2023। वर्ल्डकप 2023 में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन का असर दिखने लगा है। श्रीलंका सरकार ने पूरे क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया है। श्रीलंका के खेल मंत्रालय ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। बता दें कि श्रीलंका ने विश्व कप में खेले अपने 7 में से महज 2 ही मैच जीते हैं और टीम सेमीफाइनल की रेस से भी करीब-करीब बाहर ही है।

इससे पहले, खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने शुक्रवार के अपने एक बयान में श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड को देशद्रोही और भ्रष्ट कहा था। उन्होंने बोर्ड के सदस्यों से इस्तीफा देने की मांग की थी। इसके बाद, श्रीलंका क्रिकेट के सचिव, मोहन डी सिल्वा, जो बोर्ड के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी हैं, ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था क्योंकि क्रिकेट फैंस ने उनके ऑफिस के बाहर टीम की हार को लेकर प्रदर्शन किया था।

खेल मंत्री के ऑफिस से जारी एक बयान में कहा गया कि मंत्री ने सोमवार को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के बाकी सदस्यों को बर्खास्त कर दिया और उनकी जगह विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा की अध्यक्षता में एक अंतरिम समिति नियुक्त कर दी। 7 सदस्यीय समिति में रणतुंगा के साथ सुप्रीम कोर्ट के दो रिटायर्ड जस्टिस भी शामिल होंगे। बता दें कि श्रीलंका फिलहाल, विश्व कप 2023 की अंक तालिका में 7वें स्थान पर है और सोमवार को उसकी टक्कर बांग्लादेश से दिल्ली में होगी। इस मुकाबले को जीतकर श्रीलंका 2025 के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई करना चाहेगा।

आईसीसी ने पाकिस्तान पर ठोका बड़ा जुर्माना

बेंगलुरु,06 नवम्बर 2023। पाकिस्तान पर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लीग मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के रिची रिचर्डसन ने समय भत्ते पर विचार करने के बाद बाबर आजम की टीम को लक्ष्य से दो ओवर कम होने के कारण यह सजा दी।

खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, यदि खिलाड़ियों की टीम आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहती है, तो प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

बाबर ने अपराध स्वीकार किया और प्रस्तावित सज़ा स्वीकार कर ली, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर पॉल विल्सन और रिचर्ड केटलबोरो, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर जोएल विल्सन ने आरोप लगाया।

मैच की बात करें तो, बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज फखर जमान के धमाकेदार शतक ने सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान पुरुष वनडे विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाने की दौड़ में बना रहे। ज़मान ने केवल 81 गेंदों में नाबाद 126 रन बनाए और सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान न्यूजीलैंड पर 21 रन से जीत के लिए डीएलएस लक्ष्य से आगे रहे, जो प्रतियोगिता में उनकी चौथी जीत भी है।

वैशाली और विदित को फिडे ग्रैंड स्विस खिताब

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली,06 नवम्बर 2023। आर वैशाली और विदित गुजराती ने भारत को दोहरी सफलता दिलाते हुए फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और ओपन वर्ग के खिताब जीते तथा प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। वैशाली ने खेले गए 11वें और अंतिम राउंड में मंगोलिया की बटखुयाग मुंगुटुउल के साथ बाजी ड्रॉ कराई जबकि विदित ने सर्बिया की एलेक्जेंडर प्रेडके को हराकर प्रतियोगिता में अपनी सातवीं जीत दर्ज की और ओपन वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

वैशाली और विदित दोनों ने समान 8.5 अंक बनाए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से आधा अंक के अंतर से खिताब जीते। अगले साल अप्रैल में कनाडा में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिएक्वालीफाई करने के अलावा वैशाली को 25000 अमेरिकी डॉलर (20 लाख रुपये से अधिक), जबकि विदित को 80000 अमेरिकी डॉलर (66 लाख रुपये से अधिक) का पुरस्कार मिला।

महिला वर्ग में दूसरा स्थान यूक्रेन की अन्ना मुज्यचुक को मिला जिन्होंने स्वीडन की अनुभवी ग्रैंडमास्टर पिया क्रैम्लिंग से ड्रॉ खेला। कैंडिडेट्स में जगह बनाने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी तान झोंग्यी थीं जो यहां तीसरे स्थान पर रहीं। मुज्यचुक विश्व महिला कप से पहले ही क्वालीफाई कर चुकी थी। ओपन वर्ग में हिकारू नाकामुरा ने भारत के अर्जुन एरिगैसी के साथ बाजी ड्रॉ खेली।

इस तरह से भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अजेय रहा लेकिन उन्हें चौथे स्थान से ही संतोष करना पड़ा। वैशाली ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनके अलावा भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी के भी भाग लेने की संभावना है। हंपी अपनी ऊंची रेटिंग के कारण इस टूर्नामेंट में जगह बना सकती है लेकिन इसकी औपचारिक घोषणा जनवरी 2024 में की जाएगी।

अभी वैशाली भारतीय शतरंज की नई स्टार हैं। उनकी निगाह यहां स्वर्ण पदक जीतने पर टिकी थी। ग्रैंड मास्टर की उपाधि हासिल करने के लिए उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। डी हरिका 2011 में महिला वर्ग से भारत की दूसरी ग्रैंडमास्टर बनी थी।

इंग्लैंड के विश्व कप से बाहर होने के बाद बोले बटलर

पुणे,06 नवम्बर 2023। इंग्लैंड के मौजूदा आईसीसी विश्व कप 2023 से बाहर होने के बाद, कप्तान जोस बटलर ने स्वीकार किया कि उनका खुद का प्रदर्शन सबसे बड़ी चिंता का विषय है और कहा कि गत चैंपियन का मार्की इवेंट से बाहर होना उनके लिए एक निचला बिंदु है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया द्वारा इंग्लैंड को 287 रन के लक्ष्य से कम पर आउट कर दिए जाने के बाद इंग्लैंड की खिताब की रक्षा का अभियान बेहद खराब स्थिति में समाप्त हुआ। बटलर, जिन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में 20 ओवर के विश्व कप में इंग्लैंड को जीत दिलाई थी, ने कहा कि मौजूदा टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है।

स्काईस्पोर्ट्स ने बटर के हवाले से कहा, ÷टूर्नामेंट में आने के लिए सबसे बड़ी चिंता मेरी खुद की फॉर्म रही है। मैं इतनी महत्वपूर्ण भूमिका में उतना अच्छा नहीं खेल पाया जितना मैं खेल सकता था, बल्ले के साथ मेरे खुद के प्रदर्शन ने हमें नुकसान पहुंचाया है।÷

यह निश्चित रूप से एक निचला बिंदु है। मेरे पास कुछ हैं लेकिन निश्चित रूप से, एक कप्तान के रूप में, जब आप बहुत अधिक उम्मीदों के साथ भारत आते हैं तो इस स्थिति में रहना अविश्वसनीय रूप से कठिन होता है। हमने निश्चित रूप से खुद के साथ न्याय नहीं किया है। यहां आकर टूर्नामेंट में हम चाहते हैं कि हम वास्तव में इसमें आगे बढ़ें और जो भी इसे हासिल करना चाहता है उसे आगे बढ़ाएं। आप जानते हैं, उन ऊंचाइयों तक पहुंचना अविश्वसनीय रूप से कठिन है, इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, हर कोई जानता है कि इसमें कितनी मेहनत लगती है। और जब आप असफल होते हैं, तब भी इसमें बहुत मेहनत लगती है। हमने खुद को निराश किया है। हमने घर पर उन लोगों को निराश किया है जो हमारा समर्थन करते हैं मोटा और पतला, ÷

2019 विश्व चैंपियन आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पात्र होंगे यदि वे विश्व कप तालिका के शीर्ष सात में रहते हैं, जिसके लिए उन्हें दसवें स्थान से आगे बढ़ने के लिए नीदरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ अपने अगले दो मैच जीतने होंगे।

जिस तरह से आप फॉर्म में वापस आ सकते हैं या फिर से गेम जीतना शुरू कर सकते हैं, वह आगे बढ़ना और फिर से आगे बढ़ना है, आपको व्यक्तिगत रूप से कड़ी मेहनत करते रहना होगा और विश्वास करना होगा कि यह बहुत दूर नहीं है। यह जितना लंबा चलेगा, उतना ही करीब आएगा आपको इसके दूसरी तरफ से बाहर आना होगा, बटलर ने कहा।

इंग्लैंड का अगला मुकाबला बुधवार को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में नीदरलैंड से होगा।

दबंग दिल्ली केसी के नवीन कुमार ने कही यह बात

मुंबई,06 नवम्बर 2023। प्रो कबड्डी लीग का दसवां संस्करण हमारे सामने है, पीकेएल पीकेएल एमवीपी की विशेष यादें सामग्री श्रृंखला के माध्यम से कुछ सबसे बड़े क्षणों को देखेगा। सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी इस बारे में बात करेंगे कि पीकेएल ने उनके जीवन को कैसे बदल दिया है।

प्रो कबड्डी लीग के युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक 5 फीट 10 इंच लंबे रेडर हैं, जिन्होंने 2018 में अपने प्रवेश के बाद से लीग में तूफान ला दिया है। नवीन कुमार, जिन्होंने सीजन में दबंग दिल्ली केसी में एक नए युवा खिलाड़ी के रूप में अपनी जगह बनाई। 6 तब से उनका पसंदीदा आदमी बन गया है।

दिसंबर 2021 में 500 रेड पॉइंट हासिल करने के लिए तत्कालीन 21 वर्षीय खिलाड़ी को केवल 47 मैचों का समय लगा, और वह पीकेएल में इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा उनके लगातार 28 सुपर 10 पीकेएल के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक, ने उन्हें कबड्डी बिरादरी के बीच एक घरेलू नाम के रूप में स्थापित किया।

अब दबंग दिल्ली केसी के साथ अपने पांचवें सीज़न में, नवीन उत्साह से भरे हुए हैं और टीम के लिए ऐतिहासिक 10वें सीज़न अभियान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ÷क्रिकेट के बाद, यह उन लीगों में से एक है जिसने 10 साल पूरे कर लिए हैं और हर साल रोमांचक नई प्रतिभाओं के आने और मौजूदा खिलाड़ियों के लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। पीकेएल ने अपनी स्थापना के बाद से एक लंबा सफर तय किया है, 8 टीमों से 12 तक, 8 शहरों से 12 तक। यह कबड्डी के खेल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमने पिछले 10 वर्षों में पीकेएल की बदौलत कबड्डी को पहले की तरह लोकप्रिय होते देखा है,÷ 23 वर्षीय खिलाड़ी ने उद्धृत किया।

पीकेएल में अपने समय के सबसे अच्छे पल को याद करते हुए, नवीन ने कहा, यह सीजन 8 में वह क्षण होगा, जब हमने पहली बार ट्रॉफी जीती थी। यह मेरी अब तक की सबसे अविस्मरणीय यादों में से एक है। जब से पीकेएल 2014 में शुरू हुआ, मैं इसे टीवी पर देखता था और मैंने हमेशा एक दिन उस ट्रॉफी को लेने का सपना देखा था, इसलिए यह वास्तव में विशेष था।

भूलना नहीं चाहिए, नवीन कुमार, जो तब तक 'नवीन एक्सप्रेस' के नाम से लोकप्रिय हो चुके थे, सीजन 7 और सीजन 8 में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) चुने गए, पीकेएल के इतिहास में प्रदीप नरवाल के साथ एकमात्र खिलाड़ी थे। लगातार दो सीज़न में एमवीपी चुना गया। उन्होंने सीजन 8 में दबंग दिल्ली केसी के खिताब जीतने के अभियान में अपनी और टीम की भारी सफलता के पीछे के रहस्य को समझाया।

मुझे लगता है कि टीम में कोच और अनुभवी खिलाड़ियों से बहुत अच्छा समर्थन मिला। हम इस विश्वास और आत्मविश्वास के साथ सीज़न में गए थे कि हमें ट्रॉफी उठानी है और उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण दिया। मुझे लगता है कि यह सिर्फ आपकी इच्छाशक्ति, आपकी क्षमताओं पर विश्वास और यह विश्वास है कि आप लीग में शीर्ष पर रह सकते हैं, जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया, ÷नवीन ने कहा।

सिंघम अगेन से सामने आया अक्षय का फर्स्ट लुक

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की अगली फिल्म सिंघम अगेन इन दिनों खूब चर्चा में बनी हुई है. जबसे इसकी घोषणा हुई है, फिल्म को लेकर रोज नए अपडेट सामने आ रहे हैं. ऐसे में फैंस भी इस मल्टीस्टारर फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

वहीं फैंस के एक्साइटमेंट को दोगुना करने के लिए मेकर्स आए दिन फिल्म के किरदारों से उन्हें इंट्रोड्यूस करवा रहे हैं. वहीं अब फिल्म से एक और सुपरस्टार का नाम रिवील कर दिया है. रोहित शेट्टी की इस मल्टीस्टारर फिल्म से अब सूर्यवंशी यानी अक्षय कुमार के नाम से पर्दा उठा दिया गया है.

वहीं अक्षय कुमार ने अपने किरदार की पहली झलक फैंस के साथ शेयर की है. अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से अपना पहला लुक शेयर करते हुए लिखा आला रे आला सूर्यवंशी आला, एटीएस चीफ वीर सूर्यवंशी की एंट्री का समय. क्या आप तैयार हैं? वहीं इस फोटो में हाथों में राइफल लिए अक्षय कुमार हेलीकॉप्टर से छलांग लगाते हुए नजर आ रहे हैं. फैंस उनका ये अंदाज बेद खुशी से झूम उठे है. उनके इस पोस्ट पर कमेंट्स की बाढ आ गई है.

बता दें कि अक्षय से पहले दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ और रणवीर सिंह का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है, जो खूब चर्चा में रहा. वहीं रोहिट शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की यह 5वीं फिल्म है. इससे पहले सिंघम, सिंघम रिटर्न्स , सिंबा और सूर्यवंशी आई थी. फिल्म अगले साल रिलीज होगी. फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

टीवी अभिनेत्री मोनिका खन्ना ने कहा, मैंने कभी एक्टिंग नहीं सीखी

आसमान से आगे, प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा और थपकी प्यार की शो में अपने काम के लिए मशहूर अभिनेत्री मोनिका खन्ना ने बताया कि उन्होंने अभिनय में कभी कोई प्रशिक्षण नहीं लिया, सेट पर ही सब कुछ सीखा।

मोनिका अब आने वाले शो इक कुड़ी पंजाब दी में नजर आएंगी।

उन्होंने साझा किया, मैंने अभिनय का कोई प्रशिक्षण नहीं लिया है। जब मैं मुंबई आई, तो मुझे अप्रत्याशित रूप से एक शो में भूमिका मिली। मुझे वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला।

मोनिका ने कहा, मैं अपने शो में जो कुछ भी करती हूं, वह उन लोगों से सीखती हूं, जिनके साथ मैंने सेट पर काम किया है। दुर्गा और चारु फेम अभिनेत्री ने आगे कहा, हालांकि मैं सीखने की प्रक्रिया को स्पष्ट करने में सक्षम नहीं हो सकती हूं, लेकिन मैंने बारीकियां और अंतर्दृष्टि सीख ली हैं। मैंने देखा है कि अन्य कलाकार अपने किरदारों को कैसे निभाते हैं और मुझे आश्चर्य होता है कि अगर मैं उनकी जगह होती तो मैं उन भूमिकाओं को कैसे करती।

उन्होंने कहा, शुरुआत में, मुझे यह भी नहीं पता था कि भूमिकाओं के लिए चरित्र रेखाचित्र बनाए जाते हैं, या अभिनेता अपने पात्रों के लिए इतनी गहराई से तैयारी करते हैं। धीरे-धीरे मुझे यह एहसास हुआ कि किसी प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले यह तैयारी जरूरी है। मैंने यह भी सीखा है कि किसी किरदार में खुद को डुबो देना कितना चुनौतीपूर्ण हो सकता है और यह आपके निजी जीवन को कैसे प्रभावित कर सकता है।आगे कहा, मैं कुछ अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने के लिए भाग्यशाली रही हूं जो न केवल प्रतिभाशाली थे बल्कि विनम्र और दयालु भी थे। उन्होंने उदारतापूर्वक अपनी अंतर्दृष्टि साझा की, मेरी कमजोरियों को बताया और उन क्षेत्रों में मेरा मार्गदर्शन किया जहां मैं सुधार कर सकती थी।

त्रिनेत्रा हलदर स्टारर अनस्क्रिप्टेड डॉक्यू-सीरीज रेनबो रिश्ता 7 नवंबर को होगी स्ट्रीम

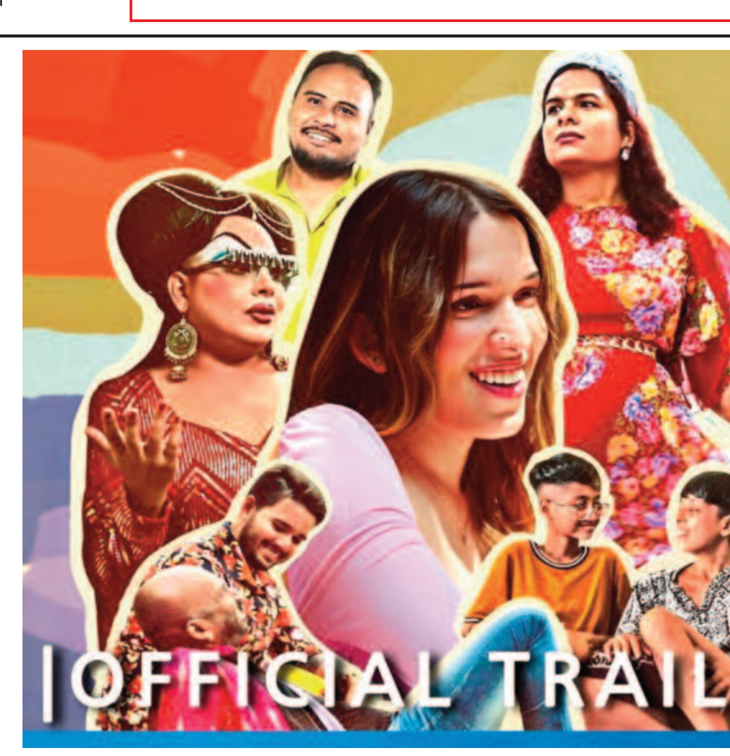

त्रिनेत्रा हलधर, ऐश्वर्या आयुष्मान, डेनिएला मेंडोंका-स्टारर अनस्क्रिप्टेड डॉक्यू-सीरीज रेनबो रिश्ता 7 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज होगी।

एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय (समलैंगिक समुदाय) के कुछ सदस्यों के नजरिए से प्यार का जश्न मनाते हुए, रेनबो रिश्ता में दिल को छू लेने वाली विचित्र प्रेम कहानियां दिखाई जाएगी।

6 एपिसोड की डॉक्यू-सीरीज रेनबो रिश्ता को जयदीप सरकार ने डायरेक्ट किया है, उनके साथ हृदय ए. नागपाल और शुभ्रा चटर्जी का भी निर्देशन शामिल है। यह सीरीज दुनिया को एलजीबीटीक्यूआईए ?लस समुदाय के सदस्यों के जीवन में एक अनोखी, स्पष्ट और ईमानदार खिड़की देगी।

अप्रकाशित श्रृंखला में त्रिनेत्रा, ऐश्वर्या, डेनिएला, अनीज सैकिया, सनम चौधरी, सोहम सेनगुप्ता, सुरेश रामदास और सदम हंजाबम के वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों की कहानियां शामिल हैं।

90 के दशक के पल्प-सिनेमा पर आधारित एक आधुनिक पंथ क्लासिक सिनेमा मरते दम तक की सफलता के बाद, रेनबो रिश्ता वाइस स्टूडियोज प्रोडक्शन के साथ प्राइम वीडियो का दूसरा सहयोग है।

यह 7 नवंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

CMYK

कुल 223 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा आज

मतदान केन्द्र सुरक्षा से लेकर मार्ग व्यवस्था तक केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बल,डीआरजी,एसटीएफ,कोबरा और बस्तर फाइटर्स की स्पेशल फोर्सेस रहेंगे तैनात

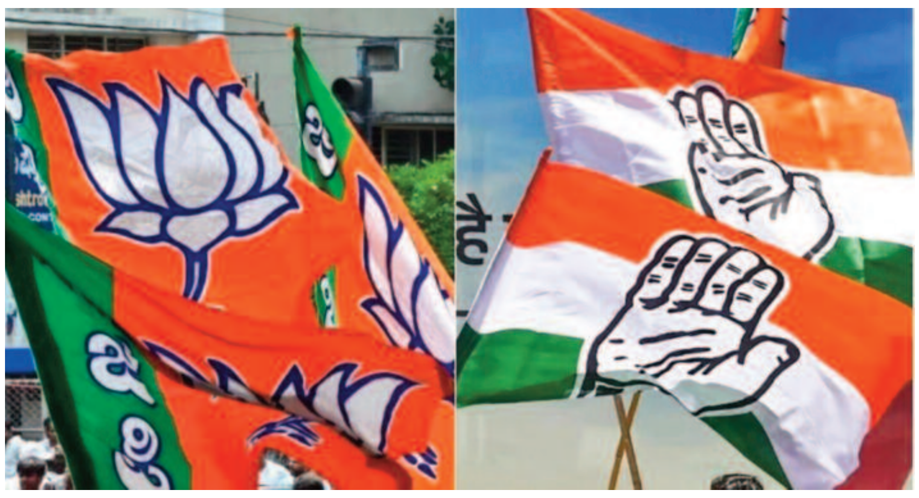

रायपुर,06 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा निवार्चन 2023 के अंतर्गत प्रथम चरण का मतदान आज 7 नवम्बर को होगा। कल पूर्व मुख्यमंत्री, मंत्रियों समेत कुल 223 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा।

बता दें संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों के साथ ही सामान्य पोलिंग बूथों में वोटिंग का समय निर्धारित है।

सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक व सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान समय वाले विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशी ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने में अपनी ताकत झोंक रहे हैं। पहले चरण में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह सहित मंत्री, विधायक और नए चेहरों के भाग्य का फैसला आज ईव्हीएमं कैद होगा।

प्रथम चरण के उम्मीदवार

प्रथम चरण के 20 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 223 उम्मीदवार हैं जिनमें 198 पुरुष तथा 25 महिला हैं।

प्रथम चरण के मतदाता

प्रथम चरण के लिए 40 लाख 78 हजार 681 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 19 लाख 93 हजार 937 पुरुष मतदाता, 20 लाख 84 हजार 675 महिला मतदाता तथा 69 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं।

मतदान केंद

प्रथम चरण में निर्वाचन हेतु कुल 5304 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

मतदान का समय

पहले चरण के 20 विधानसभा क्षेत्रों में से दस विधानसभा क्षेत्रों में सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक तथा दस विधानसभा क्षेत्रों में सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा।

पहले चरण का 20 विधानसभा

पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, डोंगरगांव, खुज्जी, बस्तर, जगदलपुर और चित्रकोट विधानसभा क्षेत्रों में सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। वहीं मोहला- मानपुर, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा विधानसभा क्षेत्रों में सवेरे सात बजे से दोपहर तीन बजे तक वोट डाले जाएंगे।

20 विधानसभा में 223 प्रत्याशी

राज्य में प्रथम चरण में मतदान वाले अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 13, भानुप्रतापपुर में 14, कांकेर में 9, केशकाल में 10, कोंडागांव में 8, नारायणपुर में 9, बस्तर में 8, जगदलपुर में 11, चित्रकोट में 7, दंतेवाड़ा में 7, बीजापुर में 8 , कोंटा में 8, खैरागढ़ में 11, डोंगरगढ़ में 10, राजनांदगांव में 29, डोंगरगांव में 12, खुज्जी में 10, मोहला-मानपुर में 9, कवर्धा में 16 तथा पंडरिया में 14 अभ्यर्थी निर्वाचन में भाग ले रहे हैं।

कौन- कौन वीआईपी कहां से लड़ रहा है चुनाव

➡ पूर्व सीएम- डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव

➡ मंत्री- मोहम्मद अकबर कवर्धा, मोहन मरकाम कोंडागांव, कवासी लखमा कोंटा। (सभी कांग्रेस)

➡ पूर्व मंत्री- विक्रम उसेंडी अंतागढ़, लता उसेंडी कोंडागांव, केदार कश्यम नारायणपुर, महेश गागड़ा बीजापुर।

➡ विधानसभा उपाध्यक्ष- संतराम नेताम केशकाल। (सभी भाजपा)

➡ 2 प्रदेश अध्यक्ष- कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज चित्रकोट, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्े यक्ष कोमल हुपेंडी भानुप्रतापुर।

➡ 1 पूर्व आईएएस- नीलकंठ टेकाम (भाजपा) केशकल।

➡ 1 पूर्व आईपीएस- अकबर राम कोर्राम (हमर राज पार्टी) भानुप्रतापुर।

पहले चरण के नक्सल प्रभावित 600 से अधिक मतदान केंद्रों में सुरक्षाबलों की तैनाती,

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने संभाला मोर्चा

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पहले चरण के नक्सल प्रभावित 600 से अधिक मतदान केंद्रों में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। यहां मंगलवार 7 नवंबर को मतदान है। इसके लिए संभाग में सुरक्षा व्यवस्था तैयार किया गया है। मतदान केन्द्र सुरक्षा से लेकर मार्ग व्यवस्था तक केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बल, डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा और बस्तर फाइटर्स की स्पेशल फोर्सेस तैनात रहेंगे। पड़ोसी राज्य तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, ओड़िशा की स्पेशल फोर्सेस भी मोर्चा संभालेंगे।नक्सल संवेदनशीलता के आधार पर 600 से अधिक मतदान केंद्रों में तीन स्तरीय सुरक्षा घेराव किया जाएगा। संभाग के 35 से अधिक मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी महिला कमाण्डों संभालेंगी। वहीं नक्सलियों गतिविधियों की निगरानी के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर से नजर रखी जाएगी। इसके अलावा बम डिसपोजल टीम और डॉग स्कवॉड भी अलर्ट मोड पर हैं।

बैटिंग एप्प महादेव बुक-रेड्डी अन्ना सहित 22 एप्प बैन

» अब तक करोड़ों की नगदी हो चुकी बरामद

» सीधे-सीधे मनी लॉड्रिंग से जुड़ गया है मामला

रायपुर,06 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के साथ ही पूरे देश में चर्चित हुए महादेव बुक एप्प के साथ ही 22 बैटिंग एप पर आखिरकार केन्द्र सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें बैटिंग एप्प रेड्डी अन्ना का भी नाम शामिल है। इन एप्प पर प्रतिबंध लगने के बाद छत्तीसगढ़ में चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो गया है।

विदित हो कि छत्तीसगढ़ में अचानक चर्चा में आया बैटिंग एप्प महादेव बुक के तार धीरे-धीरे सफेदपोशों तक पहुंच रहे हैं। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय)इस प्रकरण में लगातार नए-नए खुलासे कर रही है। हाल ही में ईडी के नए खुलासे ने छत्तीसगढ़ की राजनीति में भूचाल ला दिया है। महादेव बुक का मुद्दा न केवल छत्तीसगढ़ में चर्चा का विषय बना हुआ है बल्कि अब यह प्रकरण पूरे देश में भी चर्चित हो गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने महादेव बुक एप्प को प्रतिबंध करने के लिए हाल ही में एक पत्र सीधे सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली को प्रेषित किया था। मंत्रालय ने भी इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महादेव बुक एप्प के साथ ही बैटिंग एप्प रेड्डी-अन्ना के साथ 22 अन्य बैटिंग एप को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया है।

मनी लॉड्रिंग से जुड़ा है मामला :

जानकारों की माने तो एक ओर केन्द्र सरकार की एजेंसियां देश में मनी लॉड्रिंग को रोकने हर तरह से प्रयासरत हैं तो वहीं बैटिंग एप्प के माध्यम से यह काम दूसरे तरीके से पूरा किया जा रहा था। हाल ही में आयकर विभाग की टीम ने भी छत्तीसगढ़ के कई प्रमुख शहरों में दबिश देकर कार्रवाई की थी। वहीं ईडी की टीम लगातार इस मामले की पड़ताल में जुटी हुई है। ईडी द्वारा हाल ही में किए गए खुलासे ने पूरे प्रदेश में भूचाल ला दिया है। करोड़ों रूपए के लेनदेन के आरोप लगने के बाद इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चल रहा है।

इस मुद्दे में अब यह भी शामिल हो गया है कि यदि बैटिंग एप के माध्यम से मनी लॉड्रिंग हो रही थी तो इसे रोकने के लिए राज्य सरकार सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय को सीधे पत्र लिख सकती थी और प्रतिबंध लगाने की मांग कर सकती थी। इसके अलावा राज्य सरकार भी अपने स्तर पर इसे रोकने प्रयास कर सकती थी। बावजूद इसके बैटिंग एप्प पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।

विदेश से संचालन :

ईडी के अब तक के छानबीन व कार्रवाई से स्पष्ट हो गया है कि बैटिंग एप महादेव बुक का संचालक सौरभ चंद्राकर सरगना और रवि उप्पल विदेश में बैठकर इसे संचालित कर रहे हैं। विदेश में रहकर वे लगातार इस एप्प के माध्यम से लाखों-करोड़ों रूपए कमा रहे हैं तथा हवाला के माध्यम से यही पैसा वापस पहुंचा रहे हैं।

करोड़ों की नगदी हुआ है जब्त

ईडी ने हाल ही में एक वाहन चालक असीम दास व बप्पा नामक व्यक्ति के घर से 5 करोड़ 39 लाख से ज्यादा रकम बरामद किया था। इसी तरह बैंक खातों में जमा 15 करोड़ 59 लाख रूपए भी जब्त किया था। वहीं ईडी की टीम ने भिलाई के आरक्षक भीमसिंह यादव को भी इस मामले में पकड़ा है। वहीं उसके भाई सहदेव की तलाश की जा रही थी। इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच हो रही है।

महादेव एप्प के मुद्दे को लेकर राजनीतिक गलियारों में मची खलबली

प्रदेश में जहां विधानसभा चुनाव को लेकर घमासान मचा हुआ है तो वहीं दूसरी ओर महादेव एप्प के मुद्दे को लेकर राजनीतिक गलियारों में खलबली मची हुई है। जहां बीजेपी इसे चुनावी मुद्दा बताते हुए राज्य के सीएम भूपेश बघेल को घेर रही है।

तो वहीं, बघेल अपने ऊपर लगे आरोपों को बेबुनियाद बता रहे हैं। इसी आरोपी को लेकर सीएम भूपेश बघेल लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। केंद्र सरकार के द्वारा महादेव एप्प को बैन किए जानें पर सीएम भूपेश ने जमकर हमला बोला।

जिसके बाद छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक सिद्धार्थ नाथ सिंह का बड़ा बयान समने आया है। उन्होंने कहा कि हमारा कहना है कि जब दो साल से जांच कर रहे थे तो बैन क्यों नही किया? उन्होंने कहा कि ऐप बैन करने का अधिकार राज्य सरकार के पास था। 69 के अधिकार के तहत बैन करने का अधिकार था। राज्य सरकार ने बैन करने का कोई लैटर तक नहीं भेजा।

उलटा चोर कोतवाल को डांटे

» हमने साढ़े 400 को अरेस्ट किया,वो 2 को नहीं कर पाए

» केंद्र और ईडी विदेश में बैठे 2 लोगों को गिरफ्तार नहीं कर पा रही, सट्टा भी बंद नहीं कर रही, राजभवन से भी है संबंध फोटो देख चुके हैं

रायपुर,06 नवम्बर 2023(ए)। सीएम भूपेश बघेल ने पलटवार किया है, उन्होंने महादेव एप के कथित सरगना का बीजेपी द्वारा वीडियो जारी करने पर कहा उलटा चोर कोतवाल को डांटे, हमने साढ़े 400 को अरेस्ट किया, वो 2 को भी गिरफ्तार नहीं कर पाए !

सीएम भूपेश ने कहा मैं पहले ही कह चुका हूं कि भाजपा अपने हार के कारण ईडी को सामने करती है।

मैं पहले भी कह चूका हूं कि भाजपा का विंग है ईडी, दूसरी बात अभी तक सौरभ चंद्राकर और रवि को मुख्य खिलाड़ी मान रहे थे।

नया आदमी आया है जिसका पहला मेल आता है फिर मैसेज आता है। हमने तो महादेव एप के साढ़े 400 लोगों को गिरफ्तार केंद्र सरकार और ईडी विदेश में बैठे 2 लोगों को गिरफ्तार नहीं कर पा रही।

किसके राजभवन से रिश्ते हैं वो फोटो भी हम देख चुके हैं। महादेव एप को बंद नहीं करते और बीजेपी वालों से संबंध है। लेकिन किसी को भी बैठाकर वीडियो जारी करके मुझपर आरोप लगाना उलटा चोर कोतवाल को डांटे जैसी बात है।

17 तक आएगी नई-नई स्क्रिप्टः भूपेश बघेल

चुनावी सभा में ईडी और महादेव सट्टा को लेकर माहौल गरमाया हुआ है। सोमवार को पलटवार करते हुए भूपेश बघेल ने बड़ा दावा किया। सीएम बघेल का कहना है कि ये कैसा प्रतिबंध? अभी 17 नवंबर को चुनाव होते तक इनकी नई-नई स्क्रिप्ट प्रतिदिन आएगी।

अगर आरोप ही लगाना है तो मैं भी लगा देता हूँ- प्रधानमंत्री जी और ई डी मिलकर सट्टा एप्प वालों को बचा रहे हैं जिस एप्प पर प्रतिबंध लगाने की बात ये कर रहे हैं, वो भारतीय सर्वर और प्ले स्टोर पर पहले से है ही नहीं। ये लोग एपीके फ़ाइल भेजकर सट्टा खिलवाते हैं। बैन लगाना है तो सभी ग्रूपों पर बैन लगाओ।

ये जो नया बंदा गोदी मीडिया में दिखाया जा रहा है ये ई डी की प्रेस रिलीज़ में पहले दिन तो महादेव एप्प का अधिकारी था दूसरे दिन ये महादेव एप्प का मालिक बन गया! अपने नौकर की शादी में 200 करोड़ खर्च करता है। इसका वीडियो देखो,थूक गटक रहा है, कई बार वीडियो सेट कर रहा है, इतने कट-पेस्ट लगे हैं वीडियो में।

हमने महादेव एप्प से जुड़े 450 लोग गिरफ़्तार कर लिए। आपने क्या किया? निर्वाचन आयोग की नियमावली का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। वैसे तो निर्वाचन आयोग को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए लेकिन फिर भी हमारी तरफ से भी शिकायत जाएगी।

मिरतुर में लगे महेश गागड़ा वापस जाओ के नारे

» प्रचार करने पहुंचे पूर्व मंत्री गागड़ा बदसलूकी के बाद बीजेपी बोली- कांग्रेसियों ने की थी महिला से बदसलूकी

जगदलपुर/रायपुर,06 नवम्बर 2023(ए)। प्रचार करने पहुंचे पूर्व मंत्री को भगाने की कोशिश किये जाने की खबर है। नाराज लोगों ने बीजापुर में महेश गागड़ा वापस जाओ के नारे भी लगाए। इस मामले का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपाई बोले- कांग्रेसियों ने महिला से बदसलूकी की थी।

छत्तीसगढ़ में बस्तर संभाग की 2 अलग-अलग विधानसभा सीटों में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच जमकर बवाल हुआ। बीजापुर में पूर्व मंत्री और भाजपा प्रत्याशी महेश गागड़ा को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांव से भगाने की कोशिश की।

इधर, नारायणपुर विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। रविवार की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भाजपा के नेताओं का आरोप है कि यहां कांग्रेस के नेताओं ने महिलाओं से बदसलुकी की थी इसलिए लोग नाराज़ थे।

12 दस्तावेजों को दिखाकर दे सकेंगे वोट

रायपुर,06 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा है। आयोग सभी मतदाताओं से अपेक्षा करता है कि वे मतदान स्थल पर अपना मत देने से पहले अपनी पहचान सुनिश्चित करने के लिए आयोग की ओर से जारी निर्वाचक फोटो पहचान पत्र दिखाएंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने कहा कि यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र नहीं दिखा पाता है तो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके लिए 12 वैकल्पिक दस्तावेज भी अनुमत किए गए हैं। ऐसे निर्वाचक जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, वे अपनी पहचान स्थापित करने के लिए इन दस्तावेजों को दिखा सकते हैं।

आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए।

दिव्यांगजनों के लिए जारी यूनिक आईडी

सरकारी पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। मतदाता इनमें से कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत कर मतदान कर सकेंगे। प्रवासी निर्वाचकों को जो अपने पासपोर्ट में विवरणों के आधार पर निर्वाचक नामावालियों में पंजीकृत हैं, मतदान केंद्र में केवल उनके मूल पासपोर्ट के आधार पर ही पहचाना जाएगा।

नक्सलियों ने बैनर लगाकर,नेताओं को जान से मारने की दी धमकी

नारायणपुर,06 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के बीच नक्सली अपनी हरकतों से आज नहीं आ रहे हैं. वहीं प्रथम चुनाव के ठीक एक दिन पहले नक्सलियों ने पर्चा फेंका और बैनर लगया है. जिसमें भाजपा नेता की हत्या के बाद अब कांग्रेस नेताओं को मौत के घाट उतारने की धमकी दी है. यह ममला नारायणपुर थाना क्षेत्र समेत अलग-अलग इलाकों का है.जानकारी के अनुसार, नारायणपुर जिले के अलग-अलग इलाकों में नक्सलियों ने धमकी वाला पोस्टर लगाया और पर्चा फेंका है. वहीं नक्सलियों ने एक बैनर जिला मुख्यालय के अंदर पहाड़ी मंदिर के पास लगया है. जिसमें 2 कांग्रेस नेताओं को जान से मारने की धमकी दी है. इससे इलाके में दहशत का माहौल है।

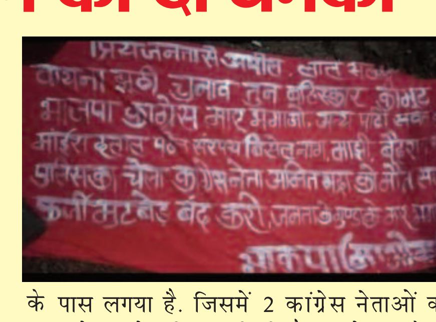

भारत सहित विदेशों में भी दिवाली पर जगमगाएंगे गोबर के दिये

रायपुर,06 नवम्बर 2023(ए)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मनोहर गौशाला की ओर से निश्शुल्क गोबर के दिए वितरित किए जा रहे हैं। कामधेनु गौमाता के गोबर से निर्मित औषधीय युक्त गोबर के वैदिक दीपक भारत सहित विदेशों में भी दिवाली पर जगमगाएंगे। इसके लिए मनोहर गौशाला की ओर से अमेरिका, ब्राजील सहित कई देश कोरियर के माध्यम से भेजे जा चुके हैं। देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय को भी गोबर के दिए प्रेषित किए जा चुके हैं।

मनोहर गौशाला के मैनेजिंग ट्रस्टी अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने बताया, गोशाला में इस वर्ष दिवाली पर निःशुल्क वितरण के लिए एक लाख से अधिक दीपक का निर्माण किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि अब तक करीब साढ़े चार लाख दीपक निःशुल्क पिछले चार साल में वितरित किए जा चुके हैं।

आईईडी ब्लास्ट,दो कर्मी और जवान घायल

कांकेर,06 नवम्बर 2023 (ए)।चुनाव के विरोध में लगातार नक्सली वारदात को अंजाम देकर तुनाव में खलल पहुंचाना चाहते है। कांकेर में आज हुए आईईडी ब्लास्ट में बीएसएफ का एक जवान और मतदान दल के 2 सदस्य घायल हो गए।

बीएसएफ एवं जिला बल की संयुक्त पार्टी कांकेर जिले के थाना छोटेबेटिया के 04 मतदान दलों को लेकर कैम्प मारबेड़ा से रेंगाघाटी रेंगागोंदी मतदान केन्द्र जा रही थी। घायलों का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति सामान्य है. यह जानकारी स्थानीय पुलिस ने दी है। जो जानकारी मिल रही है उसके अनुसार इस घटना में बीएसएफ के आरक्षक चंद्रप्रकाश सेवल एवं पोलिंग पार्टी के 02 कर्मचारी घायल हो गये। दोनों घायल चुनाव अधिकारी पीठासीन पदाधिकारी हैं। तीनों घायल की स्थिति सामान्य बतायी जा रही है। जानकारी के मुताबिक घायलों का ईलाज छोटेबेठिया में किया जा रहा है।

गारमेंट फैक्ट्री में लगी आग

» कहीं नक्सलियों की साजिश तो नहीं?

» जिला प्रशासन द्वारा निर्मित फैक्ट्री में आग से 20 लाख तक के कपड़े खाक

» घटनास्थल के पास ही एक ग्रामीण की भी हुई है हत्या

बीजापुर,06 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले बीजापुर जिले में एक बड़ी घटना घटी है। खबरों के मुताबिक बीजापुर के पास गारमेंट फैक्ट्री में आग लगा दी गई। हालांकि पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि आगजनी की इस घटना को शरारती तत्वों द्वारा अंजाम दिया गया, ऐसा प्रतीत हो रहा है। आग किन कारणों से लगी, इसकी जांच की जा रही है। यह आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी है या फिर इस घटना के पीछे किन्ही शरारती तत्वों का हाथ है, साक्ष्यों के आधार पर इसकी जांच करने की बात पुलिस कह रही है।

प्रशासनिक क्षेत्र के पास ही स्थित है फैक्ट्री

बता दें कि जिस फैक्ट्री में आग लगी है, वो कलेक्टर निवास एवं सीआरपीएफ के डीआईजी कार्यालय से महज एक किलोमीटर से दूरी पर ही स्थित है। कल याने रविवार को देर शाम 8- 9 बजे के आसपास गारमेंट फैक्ट्री में आग की खबर से अफरा तफरी मच गई। हालांकि इस आग पर दमकल कर्मियों द्वारा काबू पा लिया गया।

20 लाख के कपड़े खाक,

मशीनें सुरक्षित

एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि इस घटना से तकरीबन 20 लाख तक के कपड़े जल गए है। हालांकि फैक्ट्री के अंदर रखें हुए मशीन सुरक्षित है और इस घटना में किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

चुनाव के ठीक पहले हुई वारदात बतादें कि बस्तर संभाग सहित बीजापुर में 7 नवंबर को मतदान होना है। चुनाव आयोग ने मतदान को लेकर तैयारी पूरी कर ली है। सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ठीक इससे पहले फैक्ट्री में आगजनी की वारदात हो गई।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)